मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से प्रकाशित: भोपाल • ग्वालियर • कटनी • बिलासपुर • जबलपुर • छिंदवाड़ा • बालाघाट

www.emsindia.com

निष्पक्ष एवं विश्वसनीय खबरों का लोकप्रिय समाचार पत्र

एक्सप्रेस न्यूज

भोपाल
रविवार 20 अप्रैल 2025
■ वर्ष: 30 ■ अंक: 113
■ पेज: 8 ■ मूल्य: 1.50/- रुपए

जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके

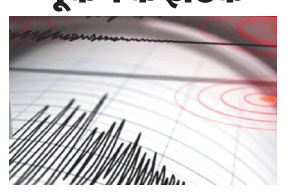

नई दिल्ली, ईएमएस। अफगानिस्तान में शनिवार को दोपहर 12:17 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किया गया। हालांकि अब तक जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी महसूस किया गया। श्रीनगर में एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया- मैंने भूकंप महसूस किया। मैं दफ्तर में था, तभी मेरी कुर्सी हिली। कुछ इलाकों से लोगों को घरों और ऑफिस से बाहर भागते देखा गया। थानेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप सतह से 86 किलोमीटर नीचे आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में था। यह इलाका भूकंप के लिए सेंसिटिव जोन में गिना जाता है। इस क्षेत्र में भूकंप आना सामान्य बात है। भूकंप की वजह से अफगानिस्तान के बदख्शान और आसपास के इलाकों में झटके अधिक तीव्रता से महसूस किए गए।

चुपके-चुपके

आईटी के चक्कर में भिड़ गए दो एसीएस

सिंहस्थ का आयोजन होने में अभी तीन साल का समय है। यानि 2028 में सिंहस्थ का आयोजन होना है, लेकिन शासन और प्रशासन की कोशिश है कि सारी तैयारियां समय पर और फुलप्रूफ हों। इसके लिए मुख्य सचिव निरंतर समीक्षा कर रहे हैं। इस दौरान 2 हमनाम अपर मुख्य सचिव आईटी को लेकर आपस में भिड़ गए। एक अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान अधिकतर काम मेरे विभाग के माध्यम से हो रहा है। इसलिए आईटी का काम भी हम ही कराएंगे। इस पर दूसरे विभाग के अपर मुख्य सचिव ने कहा कि ऐसा नहीं होगा, आईटी का काम हम कराएंगे, क्योंकि हमारा विभाग उससे संबंधित है। हालांकि बाद में बड़े साहब ने मोर्चा संभाला और कहा कि आप लोग मिल बैठकर खुद फैसला कर लें कि काम कौन कराएगा।

-खबरची

मुंबई में मंदिर तोड़ने के खिलाफ जैन समुदाय का प्रदर्शन

कोर्ट में सुनवाई से पहले बीएमसी की कार्रवाई, लोग बोले- हम कमजोर नहीं, मंदिर वहीं बनाएंगे

मुंबई, ईएमएस। मुंबई के विले पार्ले ईस्ट के कांबलीवाड़ी में कई दशकों पुराना पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर को बीएमसी की टीम ने 16 अप्रैल को तोड़ दिया। इस कार्रवाई से पहले नगर निगम ने मंदिर को नोटिस भेजा था। जिसके खिलाफ जैन समाज ने एक याचिका भी दायर की थी। इस पर 17 अप्रैल को सुनवाई होनी थी। ब्रह्ममुंबई की टीम की कार्रवाई सुनवाई से पहले ही की गई। इसके कारण जैन समुदाय के लोग आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने शनिवार को अहिंसक तरीके से अपना गुस्सा जाहिर किया। हजारों की तादाद में महिलाएं-पुरुष सड़कों पर नारे लगाते हुए नजर आए। सभी ने काली पट्टी बांधकर बीएमसी का विरोध किया। लोग नारे लगा रहे थे - हम कमजोर नहीं हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि राम कृष्ण रेस्टोरेंट के मालिक के कहने पर जैन मंदिर को ध्वस्त किया गया। वह परिसर में बार शुरू करना चाहता था, लेकिन मंदिर के कारण उसे लाइसेंस नहीं मिल सका। इसलिए उसने मंदिर की जमीन से जुड़े मुद्दे खोजकर इसे तुड़वाया।

बीएमसी की परमिशन से रेनोवेट करवाया था

कांबलीवाड़ी में नेमिनाथ सहकारी आवास सोसाइटी में बने मंदिर (चैत्यालय) के ट्रस्टी अनिल शाह ने कहा कि इसे 16 अप्रैल को ढहा दिया गया। शाह ने बताया कि यह मंदिर 1960 के दशक का था और बीएमसी की परमिशन से इसका जीर्णोद्धार कराया गया था। उन्होंने दावा किया कि एक सरकारी प्रपोजल था, जिसमें कहा गया है कि ऐसे मंदिर को नियमित किया जा सकता है। आपको केवल बीएमसी को नियमितीकरण के लिए प्रपोजल पेश करना होगा और हमने वह बीएमसी को दिया था।

धर्म की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी

मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने भी जैन समुदाय के प्रदर्शन में भाग लिया। लोढ़ा ने बीएमसी की इस कार्रवाई की निंदा की थी। उन्होंने एक्स पोस्ट लिखा कि धर्म की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। विले पार्ले में हमारे पूज्य भगवान पार्श्वनाथ जैन मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया है, यह सिर्फ एक इमारत नहीं बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और धर्म पर हमला है। यह रैली हमारी एकजुटता दिखाने के लिए है।

यह पूर्व नियोजित षड्यंत्र

कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ ने इसे षड्यंत्र बताया है। वर्षा ने कहा कि जैन समुदाय की मांग क्या है? मंदिर को ध्वस्त करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उनकी मांग सही है। दो जेसीबी लाई गईं। महिलाओं पर हमला किया गया। जैन समुदाय शांतिपूर्ण है। क्या आपने कभी उसकी आवाज सुनी है। लेकिन आज उन्हें भी सड़कों पर उतरना पड़ा। राजस्थान और मुंबई में जैन समुदाय की रैलियां हो रही हैं। हैरानी की बात यह है कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक और मंत्री भी इस रैली में शामिल हुए। यह उनकी सरकार है। आस्था के स्थान को बनाए रखना उनका काम है। हालांकि, ऐसा होता हुआ प्रतीत नहीं हो रहा है। यह कार्रवाई पूर्वनियोजित थी। यह एक षड्यंत्र है।

फटाफट खबरें

14 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली, ईएमएस। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में मौसम के कई रूप देखने को मिले। लखनऊ में शनिवार सुबह 3 बजे तूफान आया। इससे सैकड़ों पेड़ और बिजली के पोल गिर गए। इसके चलते रास्ते बंद हो गए। मौसम विभाग ने रविवार को राजस्थान-मध्य प्रदेश में तेज लू (हीटवेव) की आशंका जताई है। महाराष्ट्र में भी तेज गर्मी रहेगी। इसके अलावा बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, नॉर्थ ईस्ट समेत 14 राज्यों में आंधी-तूफान की चेतावनी है। बारिश के साथ यहां तेज आंधी और बिजली का भी अलर्ट है।

डिजिटल रेप करने वाला जेल गया

गुरुग्राम, ईएमएस। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में बंगाल की एयर होस्टेस से डिजिटल रेप करने वाले आरोपी को पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस ने शुक्रवार शाम उसे गिरफ्तार किया था। वह मेदांता अस्पताल में आईसीयू मशीन का टेक्नीशियन था। उसने इस हरकत से 2 दिन पहले पोर्न मूवी देखी थी। आरोपी ने कई बार एयर होस्टेस के प्राइवेट पार्ट से छेड़छाड़ की। वारदात के दौरान वहां मौजूद स्टाफ को किसी न किसी बहाने काम में उलझाकर रखा ताकि कोई उसे देख न सके।

अंडरवर्ल्ड डॉन के बेटे पर जानलेवा हमला

बेंगलुरु, ईएमएस। पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय पर शुक्रवार देर रात बेंगलुरु के पास बिड़दी इलाके में जानलेवा हमला हुआ। रिकी राय अपनी कार में ड्राइवर और गनमैन के साथ बेंगलुरु लौट रहे थे। रात करीब 1:30 बजे, उनके घर से महज 200 मीटर दूर, एक अज्ञात हमलावर ने दो राउंड फायरिंग की। दोनों को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने कहा कि दोनों खतरे से बाहर हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रिकी हाल ही में रूस से लौटे थे और पारिवारिक मामलों को सुलझा रहे थे।

समर्थन मूल्य: उपार्जन केंद्रों पर 50 किलो पर 150 से 200 ग्राम अधिक तौल कर किसानों से रोजाना हो रही 17,640 क्विंटल गेहूं की लूट

किसानों को रोज लग रही 4,58,64,000 की चपत

● **भोपाल, ईएमएस**

मप्र में 15 लाख 33 हजार किसानों से 3,528 उपार्जन केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जा रही है। इस दौरान कई तरह की गड़बड़ियां सामने आ रही है। सबसे बड़ी गड़बड़ी किसानों के साथ ही जा रही है। उपार्जन केंद्रों पर 50 किलो पर 150 से 200 ग्राम अधिक तौल कर किसानों से खुली लूट हो रही है। यानी एक क्विंटल गेहूं पर किसानों से 300 से लेकर 400 ग्राम तक अधिक गेहूं लिया जा रहा है। अनुमानतः एक केंद्र पर रोजाना तकरीबन 4 क्विंटल गेहूं की लूट किसानों से हो रही है। इस तरह प्रदेशभर में रोजाना 17,640 क्विंटल अधिक तौल हो रही है, जिससे किसानों को प्रति दिन 4,58,64,000 रूपए की चपत लगाई जा रही है।

प्रदेश में इन दिनों में गेहूं की खरीद चल रही है। राज्य के अलग-अलग हिस्से से खरीद केंद्रों पर खाद्य अमला द्वारा गड़बड़ी करने की शिकायतें पहुंच रही है। जिनमें खरीद केंद्रों पर तौल में गड़बड़ी करने से लेकर पहले तुलाई के लिए रिश्वत जैसे शिकायतें शामिल हैं। हालांकि ऐसे मामलों में किसी भी जिले में केाई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। हाल ही में राजगढ़ जिले में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री नारायण पंवार के औचक निरीक्षण में भी खरीद केंद्र पर गड़बड़ी मिली थी। दरअसल, राजगढ़ जिले के नापानेरा गेहूं खरीदी केंद्र पर किसानों के साथ धोखाधड़ी की जा रही थी। जिसे राज्य मंत्री नारायण सिंह पंवार ने निरीक्षण के दौरान पकड़ लिया। नापानेरा गेहूं खरीदी केंद्र में हर बोरी पर 150 ग्राम अधिक अनाज तोलकर किसानों के साथ धोखाधड़ी की जा रही थी। जिसे देखकर उन्होंने जमकर नाराजगी की जताई। इसके बाद तहसीलदार को पंचनामा बनाने के निर्देश दिए।

■ मंत्री ने खरीदी केंद्र पर पकड़ी गड़बड़ी... फिर भी नहीं बदल रहे हालात

■ खरीद केंद्रों पर तौल में गड़बड़ी करने से लेकर रिश्वत जैसे शिकायतें आ रहीं

इस तरह की जा रही गड़बड़ी

प्रदेशभर में आ रही शिकायतों के अनुसार कुछ समर्थन मूल्य केंद्रों पर नॉन एफएक्यू यानी गुणवत्ताहीन गेहूं खरीदा जा रहा है। वह भी किसानों को 200 ग्राम का नुकसान पहुंचाकर। समितियों को 200 ग्राम के प्लास्टिक बारदान में 50 किलो का तौल करना है, जो तौलने पर 50 किलो 200 ग्राम होना चाहिए, लेकिन प्रबंधक व कर्मचारी 50 किलो 400 ग्राम का तौल कर रहे हैं। ऐसे में किसान को 1 क्विंटल पर 400 ग्राम का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इसके साथ ही किसान की उपज तौलने से पहले ही एक टीन के पात्र में उपज का कुछ भाग ले लिया जाता है। किसानों का कहना है कि इस प्रकार रोज अतिरिक्त गेहूं लिया जाता और 4-5 कट्टे भरकर रख लिए जाते थे। कई केंद्रों पर खरीदी केंद्रों पर मॉयश्चर मशीन से जांच किए बगैर ही गेहूं खरीदा जा रहा था। ट्रैक्टर ट्रालियों की लंबी कतारें हैं।

फसल उडद की और पंजीयन गेंहू का

जबलपुर में धान घोटाले के बाद अब गेहूं उपार्जन में भी गड़बड़ी की शिकायतें सामने आने लगी है। जिला प्रशासन को शिकायत मिली है कि कुछ बिचौलिये अपने लाभ के लिए किसानों को लालच देकर गड़बड़ी करने के नए नए तरीके अपना रहे हैं बताया जा रहा है की पाटन और कटंगी क्षेत्र से ऐसी शिकायतें मिली हैं की कुछ लोगों ने पहले मटर और फिर उड़द की फसल बोई है। लेकिन उन्होंने गेहूं की फसल का पंजीयन करा लिया है। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए सर्वेयर और पटवारी गिरदावरी करते हैं। वे तय करते हैं कि किस किसान ने कौन सी फसल बोई है। इसी आधार पर रबी और खरीफ फसलों की खरीदी के लिए पंजीयन होता है।

पीएम मोदी अगले हफ्ते जाएंगे सऊदी अरब

विदेश सचिव बोले- रिश्तों को मिलेगी नई मजबूती

नई दिल्ली, ईएमएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह 22 और 23 अप्रैल 2025 को सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे। इसकी जानकारी विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने दी। उन्होंने इस यात्रा को भारत के लिए बेहद अहम बताया है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा इसलिए भी खास है क्योंकि सऊदी अरब भारत का एक अहम रणनीतिक साझेदार है।

विक्रम मिस्त्री ने कहा कि सऊदी अरब में भारतीय प्रवासियों की बहुत बड़ी संख्या रहती है, जो संभवतः दुनिया में किसी भी देश में दूसरी सबसे बड़ी भारतीय प्रवासी आबादी है। उन्होंने आगे कहा कि सऊदी

अरब इस्लामी दुनिया में एक अग्रणी आवाज है और आज के समय में क्षेत्रीय विकास में भी इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा मजबूत संबंधों को और गहरा करने का एक बेहतरीन अवसर है।

सऊदी ने भेजा है निमंत्रण

विदेश सचिव ने यह भी बताया कि पीएम मोदी की ये यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और सऊदी क्राउन प्रिंस के बीच बहुत ही सम्मान से भरा रिश्ता है, जिसका सीधा लाभ भारत-सऊदी संबंधों को मिलता रहा है। यह यात्रा ऊर्जा, निवेश, सुरक्षा, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे अहम क्षेत्रों में साझेदारी को और आगे ले जाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है। प्रधानमंत्री का यह दौरा जेद्दाह शहर में होगा, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा और वे क्राउन प्रिंस के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस दौरान दोनों नेता रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक की संयुक्त अध्यक्षता करेंगे।

कर्नाटक में जनेऊ पहनने पर स्टूडेंट को एग्जाम से रोका

आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु, ईएमएस। कर्नाटक में दो कॉलेजों में स्टूडेंट के जनेऊ पहनने पर विवाद हो गया। पहला मामला शिवमोगा जिले के आदिचुंचनगिरी स्कूल का है। जहां कॉमन इंट्रेंस टेस्ट एग्जाम देने आए 3 स्टूडेंट का जनेऊ उतरवाया गया। वहीं दूसरा मामला बीदर जिले के साई स्पूर्थी पीयू कॉलेज का है। यहां 1 स्टूडेंट ने जनेऊ उतारने से मना कर दिया तो उसे एग्जाम में बैठने नहीं दिया गया। मामला सामने आने के बाद कर्नाटक ब्राह्मण महासभा की तरफ से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कर्नाटक के बीदर में एग्जाम देने गए स्टूडेंट सुचिव्रत ने बताया, 17 अप्रैल को मेरा मैथ का सीईटी एग्जाम था। जब मैं एग्जाम सेंटर पहुंचा तो कॉलेज मैनेजमेंट ने मेरी जांच की और मेरा जनेऊ देखा। उन्होंने मुझसे कहा कि इसे काट दो या हटा दो, तभी वे मुझे परीक्षा में बैठने देंगे। 45 मिनट तक मैं उनसे अनुरोध करता रहा, लेकिन आखिरकार मुझे घर वापस आना पड़ा।

आधे मप्र में पारा 40 डिग्री के पार

शिवपुरी में तापमान 44 डिग्री, 5 जिलों में चली गर्म हवाएं

भोपाल, ईएमएस। मप्र में गर्मी के तीखे तेवर शनिवार को भी देखने को मिले। रतलाम, गुना, सागर, दमोह, सीधी में लू का असर रहा। वहीं ग्वालियर, शिवपुरी और मंडला में रात का तापमान ज्यादा रहने का अनुमान है। आधे एमपी में पारा 40 डिग्री के पार हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, गर्म हवाओं की वजह से पारे में बढ़ोतरी हुई है।

सुबह से ही सूरज की तेज धूप चुभने लगती है। दोपहर 12 बजे के बाद गर्मी बढ़ जाती है। इस कारण दिन के साथ रात का तापमान भी बढ़ा है तीन दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि तीन दिन के बाद पारे में हल्की गिरावट हो सकती है, लेकिन इससे पहले भीषण गर्मी रहेगी।

शिवपुरी में तापमान 44 डिग्री पर पहुंचा

इधर, दिन का पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया। शिवपुरी में इतना पारा रहा। वहीं, कुल 26 शहरों में तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा। सागर-नर्मदापुरम में 42.8 डिग्री, मंडला-खजुराहो में 42.6 डिग्री, नौगांव में 42.5 डिग्री, दमोह में 42.4 डिग्री, उमरिया में 42.3 डिग्री, टीकमगढ़ में 42 डिग्री, रायसेन में 41.8 डिग्री, खरगोन में 41.6 डिग्री, खंडवा में 41.5 डिग्री, रतलाम में 41.4 डिग्री, शाजापुर में 41.3 डिग्री, धार, मलाजखंड में 41.1 डिग्री, सिवनी में 40.6 डिग्री, बैतूल में 40.5 डिग्री, सतना में 40.3 डिग्री, छिंदवाड़ा में 40.2 डिग्री और नरसिंहपुर में पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 41.4 डिग्री, इंदौर में 40.2 डिग्री, ग्वालियर में 40.4 डिग्री, उज्जैन में 40.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की पीट-पीटकर हत्या

ढाका, ईएमएस। बांग्लादेश में अज्ञात लोगों ने एक बड़े हिंदू नेता की हत्या कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाबेश चंद्र रॉय (58) को गुरुवार दोपहर को उनके घर से किडनैप किया गया और पीट-पीटकर मार डाला गया। वे बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद की बीराल इकाई के उपाध्यक्ष थे। हिंदू समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ थी। पुलिस ने बताया कि वे ढाका से कुछ 330 किमी दूर दिनाजपुर के बसुदेवपुर गांव के रहने वाले थे। भाबेश चंद्र रॉय की पत्नी शांतना ने बताया कि गुरुवार को करीब 4:30 बजे उनके पति को एक फोन आया था।

सागर में बवाल: युवती को भगा ले गया युवक

गुस्साई भीड़ ने की आगजनी और तोड़-फोड़

सागर, ईएमएस। सागर के सानौधा में शनिवार को दो पक्षों में विवाद के बाद भीड़ ने दुकान में आग लगा दी। उपद्रव की सूचना मिलते ही सानौधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को समझाइश देकर मामला शांत कराने की कोशिश की।

बावजूद इसके लोग शांत नहीं हुए। जिसके बाद हालात बिगड़ते देख आसपास के कई थानों की पुलिस फोर्स बुला ली गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को कंट्रोल करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और हल्का बल प्रयोग कर उपद्रवियों को खदेड़ा। तब जाकर मामला शांत हुआ।

मौके पर मौजूद हैं कई बड़े अधिकारी

घटनास्थल पर एसपी विकास शाहवाल, एएसपी लोकेश सिन्हा, एसडीओपी प्रकाश मिश्रा समेत अन्य अधिकारी मौजूद हैं। गांव में भारी पुलिस बल तैनात है। फिलहाल अभी शांति है और स्थिति कंट्रोल में है। कलेक्टर ने बताया कि एक युवती को एक विशेष समुदाय का युवक भगा ले गया। जिसको लेकर स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। फिलहाल मौके पर अभी शांति है और चीजें कंट्रोल में हैं। वहीं, पुलिस ने बताया कि दो पक्षों में विवाद के बाद भीड़ उग्र हो गई। जिसके बाद भीड़ ने एक दुकान में आग लगा दी।

पंजाब में 13 आतंकी गिरफ्तार

रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड, आईईडी और आरडीएक्स मिले

जालंधर, ईएमएस। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढूस्ढ़ और बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े 13 आतंकी गिरफ्तार किए हैं। इसमें 1 नाबालिग है। 4 दिन से चल रहे पंजाब पुलिस के ऑपरेशन में दो आतंकी मॉड्यूल का सफाया किया गया है। पुलिस का दावा है कि इनके निशाने पर थाने-प्रमुख लोग थे। पकड़े गए आतंकियों से 2 रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड 1 ग्रेनेड लांचर, ढाई-ढाई किलो की दो इंप्रोवाइस्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस, डेटोनेटर, 2 हथगोले, रिमोट कंट्रोल और 2 किलो रॉयल डिमॉलिशन एक्सप्लोसिव, 5 पिस्तौल (बेरेटा और ग्लॉक), 6 मैगजीन, 44 कारतूस, 1 वायरलेस सेट और 3 वाहन मिले हैं। शनिवार को डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि ये लोग आईएसआई के इशारे पर देशविरोधी गतिविधियों में शामिल थे। गिरफ्तार आतंकियों ने कई थानों को भी टारगेट करना था।

रस मलाई खाने से बिगड़ी लोगों की सेहत

मंदसौर, ईएमएस। जिले के ग्राम फतेहगढ़ में शादी समारोह में भोजन के बाद लगभग 125 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। मंदसौर जिला अस्पताल से पहुंची टीम ने गांव के शासकीय स्कूल को ही अस्पताल बनाकर लोगों का उपचार किया। दोपहर तक लोगों की हालत में सुधार होने लगा था। बताया जा रहा है कि रस मलाई मिठाई खाने वाले लोग बीमार हुए हैं। इधर पहले विधायक विपिन जैन व बाद में सांसद सुधीर गुप्ता भी गांव में पहुंचे। सांसद गुप्ता ने सीएमएचओ के मौके पर नहीं पहुंचने पर नाराजगी भी जताई।

गाजा पर इजराइली हमले में 90 की मौत

गाजा में अबतक 61 हजार से ज्यादा मौत

गाजा, ईएमएस। गाजा में शुक्रवार सुबह इजराइली एयरस्ट्राइक में अब तक 90 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों घायल हैं। जैसे-जैसे मलबा हटाया जा रहा है, मरने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

गाजा सरकार के मुताबिक बीते 18 महीने की लड़ाई में अबतक गाजा के 61 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहीं यूएन ने चेतावनी देते हुए कहा कि गाजा में हजारों लोग पर भूखे मरने का जोखिम है। गाजा में लगातार इजराइली गोलीबारी, हवाई हमले और नाकाबंदी की वजह से लोग मानसिक तौर पर बुरी तरह से टूट चुके हैं। कई लोगों अपने बच्चों को पेट भर खाना खिलाने के लिए

संघर्ष कर रहे हैं। इजरायली सैनिकों वेस्ट बैंक में हेब्रोन के फव्वार रिफ्यूजी कैंप में 8 फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार किया। सैनिकों ने यहां कई घरों पर छापे मारे गए और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और तोड़फोड़ की। दक्षिणी गाजा में कुवैती हॉस्पिटल के चाइल्ड रोग एक्सपर्ट हेजम मुसलेह ने मीडिया को बताया कि इजराइली हमलों की वजह से बच्चों को गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ रहा है।

आज का कार्टून

एडवांस मांगने पर कपड़े उतारकर पीटा, करंट के झटके दिए

मजदूरों से क्रूरता...प्लास से प्राइवेट-पार्ट खींचे

● **कोरबा, ईएमएस**

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में राजस्थान के 2 दलित मजदूरों की बेरहमी से पिटाई की गई। इतना ही नहीं, उन्हें करंट के झटके भी दिए और प्लास से उनके नाखून और प्राइवेट पार्ट को भी खींचा गया। आरोपियों ने दोनों मजदूरों पर चोरी का आरोप लगाते हुए पीटा है।

मामला सिविल लाइन थाना इलाके का है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो 14 अप्रैल का बताया जा रहा है जिसमें आरोपी भी राजस्थानी वेशभूषा में दिखे। हालांकि वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही 5 आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस ने सभी को अरेस्ट कर लिया है। बताया जा रहा है कि, दोनों दलित मजदूर भीलवाड़ा जिले से काम करने कोरबा की आइसक्रीम फैक्ट्री आए थे।

जान बचाने की गुहार लगाता रहा पीड़ित

पीड़ितों ने शिकायत में बताया कि, वे काम के एवज में कुछ एडवांस पैसे मांग रहे थे। इस पर आइसक्रीम फैक्ट्री के मालिकों ने उन पर चोरी का आरोप लगाकर बेरहमी से पिटाई कर दी। वीडियो में युवक जान बचाने की गुहार लगाता रहा। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बार-बार हाथ जोड़ते हुए आरोपियों से अपनी जान की सलामती की गुहार लगा रहा है। आरोपी उसे धमकाते हुए उसे पीट रहे हैं और उन्हें गाली-गलौज करते हुए धमकियां दे रहे हैं। वीडियो में युवक बोल रहा है ?कि मेरे पिताजी को बुला लो। जिस पर आरोपी यह कह रहे हैं कि मर जाएगा तो घर ले चले जाएंगे।

युवकों का नाम अभिषेक भांबी और विनोद भांबी है। बेरहमी से मारपीट का शिकार हुए दोनों मजदूर वापस राजस्थान अपने गांव चले गए। घर पहुंचकर उन्होंने परिजन को आपबीती बताई। इसके बाद वहीं पुलिस में शिकायत दर्ज की गई। पीटने वाले 2 आरोपी राजस्थान के हैं, जो उनके परिचित हैं। वहीं 3 आरोपी कोरबा के रहने वाले हैं।

वीडियो 14 अप्रैल का बताया जा रहा है जिसमें आरोपी भी राजस्थानी वेशभूषा में दिखे। पीटने वाले 2 आरोपी राजस्थान के हैं 3 आरोपी कोरबा के रहने वाले हैं।

कोरबा आ रही है भीलवाड़ा पुलिस की टीम

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की पुलिस ने केस दर्ज कर कोरबा पुलिस से संपर्क किया है। राजस्थान से पुलिस की टीम कोरबा आ रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए राजस्थान पुलिस की टीम और कोरबा पुलिस मिलकर कार्रवाई करेगी। कोरबा के सीएसपी भूषण ने बताया कि भीलवाड़ा के गुलाबपुर थाने में एफआईआर दर्ज हुई। इसके बाद हमें इस घटना की जानकारी मिली है। इस मामले में पुलिस ने पहले ही आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और सभी कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस जांच के दौरान आरोपियों और पीड़ितों के बयान दर्ज करेगी। भीलवाड़ा पुलिस की टीम के आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई होगी। दोषियों को सजा दिलाने में मदद मिलेगी।

छात्र से टीचर ने बनाए यौन संबंध, मिली जमानत

टेक्सास, ईएमएस। टेक्सास के रिवरबैंक हाई स्कूल की पूर्व शिक्षिका कराह हर्नांडेज (31) को एक नाबालिग छात्र के साथ यौन संबंध बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह घटना 2022 की है, जब हर्नांडे ने कथित तौर पर 17 साल के छात्र के साथ यौन संबंध बनाए थे। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद 14 फरवरी को उनके घर से गिरफ्तार किया था।

भागवत ने 'पंच परिवर्तन' के विस्तार पर दिया जोर

अलीगढ़, ईएमएस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन की मूलभूत इकाई शाखाओं के विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शाखाएं ही संघ की मजबूत नींव हैं और सभी स्वयंसेवकों को मिलकर इनकी संख्या बढ़ाने के लिए कार्य करना चाहिए।

फटाफट खबरें

लल्लूजी के गोदाम में लगी भीषण आग

प्रयागराज, ईएमएस। प्रयागराज महाकुंभ में टेंट नगरी बसाने वाले लल्लूजी एंड संस कंपनी के एक गोदाम में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। यह कंपनी पिछले एक सदी से कुंभ जैसे आयोजनों के लिए टेंट नगरी बसाने के लिए पहचानी जाती है। शास्त्री ब्रिज के पास काली सड़क स्थित इस गोदाम में 5 लाख बांस-बल्लियां, टेंट के पर्दे, गद्दे और रजाइयां रखी थीं। आग इतनी विकराल हो गई कि लपटें 3 किलोमीटर दूर से दिखाई देने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार सुबह 6:30 बजे गोदाम में कुछ मजदूर छोटे सिलेंडर पर खाना बना रहे थे, तभी सिलेंडर फट गया और देखते ही देखते पूरे गोदाम ने आग पकड़ ली।

सफल होगी यूक्रेन-रूस वार्ता

वॉशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच रही है। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनकी शांति पहल में कोई भी पक्ष उन्हें बेवकूफ नहीं बना रहा है।व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, अगर किसी वजह से इन दोनों में से कोई एक पक्ष हालात को बहुत मुश्किल बना देता है, तो हम उन्हें कहेंगे कि तुम बेवकूफ हो और हम इससे पीछे हट जाएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जानबूझकर वार्ता में देरी कर रहे हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया, मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं है।

अनुराग कश्यप ने मांगी माफ़ी

मुंबई, ईएमएस। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए उनके एक बयान ने ब्राह्मण समुदाय में नाराज़गी पैदा कर दी, जिसके चलते उन पर शिकायत भी दर्ज की गई। अब अनुराग कश्यप ने एक सार्वजनिक पोस्ट के जरिए माफ़ी मांगते हुए मामले को शांत करने की कोशिश की है। फिल्म फुले की रिलीज़ में आ रही बाधाओं को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कश्यप ने सरकार, सेंसर बोर्ड और ब्राह्मण समुदाय पर तीखे सवाल उठाए थे। इसी दौरान उन्होंने एक विवादित टिप्पणी की, जो व्यापक स्तर पर आलोचना का कारण बनी।

भारतीय मूल की छात्रा को गोली मारी, मौत

ओंटारियो, ईएमएस। हैमिल्टन, ओंटारियो में मोहॉक कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा भारतीय मूल की हरसिमरत रंधावा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के दौरान छात्रा बस स्टॉप पर खड़ी थी। तभी एक कार सवार ने गोली चला दी। हैमिल्टन पुलिस हत्या की जांच कर रही है। उसका कहना है कि रंधावा निर्दोष थीं। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, 'हैमिल्टन, ओंटारियो में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की दुखद मौत से हम बहुत दुखी हैं। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा, हम ओंटारियो के हैमिल्टन में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की दुखद मौत से दुखी हैं।

संगठन में काम करने वाले कुछ लोगों की कैबिनेट में भी हो सकती है एंट्री

बीजेपी अध्यक्ष की रेस में मोदी के तीन मंत्री, खट्टर को मिल सकती है कमान?

● **नई दिल्ली, ईएमएस**

जल्द हो सकता है बीजेपी के नए अध्यक्ष का ऐलान। चर्चा है कि अप्रैल के आखिर तक जेपी नड्डा के विकल्प के तौर पर नए नेता के नाम की घोषणा हो सकती है। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का नाम भी अध्यक्ष पद की दौड़ में है। इसके अलावा मोदी सरकार में ही मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव के नामों की भी चर्चा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि इन तीन नेताओं में से किसी एक को अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

अध्यक्ष पर फैसला लेने से पहले आरएसएस की सलाह भी ली जाएगी। वहीं उससे पहले यूपी, बंगाल, आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में अध्यक्ष का फैसला भी लिया जाएगा। तभी राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बीजेपी 25 अप्रैल तक यूपी समेत कई राज्यों में अध्यक्षों का ऐलान कर सकती है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल किया जाएगा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मनोहर लाल खट्टर को लेकर सहमति बनने की संभावना ज्यादा है। इसकी वजह है कि वह पीएम नरेंद्र मोदी के करीबी हैं और उनकी पहली पसंद भी हैं। लंबे समय तक आरएसएस प्रचारक के तौर पर काम करने वाले मनोहर लाल खट्टर को संगठन की अच्छी समझ है। इसके अलावा आरएसएस भी उनके नाम पर सहमति दे सकता है, जो मानता है उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि के नेता के हाथ में ही पार्टी की कमान होनी चाहिए। इसके अलावा धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव के नाम पर की भी चर्चा है। हालांकि मनोहर लाल खट्टर सबसे आगे माने जा रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी और मनोहर लाल खट्टर के दशकों पुराने रिश्ते हैं। यही नहीं बीजेपी में महासचिव के तौर पर भी राज्यों से कई नेताओं को शामिल किया जा सकता है। ये वे नेता होंगे, जो पूर्व मंत्री या सीएम जैसे पदों पर रह चुके हैं, लेकिन इन दिनों उनके पास कोई बड़ा दायित्व नहीं है। वहीं अभी संगठन में काम करने वाले कुछ लोगों को कैबिनेट में भी एंट्री दी जा सकती है। एनडीए सरकार में सहयोगी दलों की डिमांड है कि कैबिनेट का विस्तार किया जाए और उनके नेताओं को एंट्री मिले। इस बीच बिहार में चुनाव होना है और उससे पहले उपेंद्र कुशवाहा को मंत्री पद दिया जा सकता है। वहीं एकनाथ शिंदे की पार्टी को भी मौका मिल सकता है, जो डिप्टी सीएम तो हैं, लेकिन बीच-बीच में उनकी नाराजगी की खबरें आती रहती हैं। चर्चाएं यह भी हैं कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने के मौके पर भी कैबिनेट विस्तार हो सकता है।

राज ठाकरे ने उद्धव से गठबंधन के दिए संकेत, महाराष्ट्र के हित के लिए एक होना कोई मुश्किल बात नहीं

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा बदलाव संभव है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने एक बातचीत के दौरान यह संकेत दिए हैं कि वे उद्धव ठाकरे के साथ फिर से हाथ मिला सकते हैं। बातचीत के दौरान राज ठाकरे ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन महाराष्ट्र और मराठी अस्मिता के लिए एक होना असंभव नहीं है। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने कहा, कि हमारे बीच राजनीतिक मतभेद और झगड़े रहे हैं, लेकिन महाराष्ट्र के हित के आगे ये सब बहुत छोटी बातें हैं। यह मेरी व्यक्तिगत इच्छा नहीं, बल्कि एक व्यापक सोच है। राज ठाकरे के इस बयान के बाद उद्धव ठाकरे की भी सकारात्मक प्रतिक्रिया सामने आई है, जिसमें उन्होंने कहा है, कि मेरी तरफ से तो कभी कोई झगड़ा था ही नहीं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि

अगर साथ आकर महाराष्ट्र का हित होता है, तो इसमें कोई बुराई नहीं है। इन दोनों बयानों को जोड़ कर देखने वाले यही कह रहे हैं कि बहुत जल्द राज और उद्धव मंच साझा करते दिख जाएं तो हैरानी नहीं होगी। इस बातचीत में राज ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के टूटने पर भी अपनी राय रखी और उन्होंने कहा, कि विधायकों का टूटना अब राजनीति का हिस्सा बन गया है। लेकिन मेरे लिए उस समय बालासाहेब के बाद किसी और के अधीन काम करना संभव नहीं था। बीजेपी के साथ संभावित गठबंधन पर उन्होंने कहा कि, मेरे और भाजपा के विचार मेल नहीं खाते, लेकिन राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं होता। कब क्या बदल जाए, कहा नहीं जा सकता। यहां बताते चलें कि राज ठाकरे बालासाहेब ठाकरे के राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाते रहे हैं, लेकिन 2006 में मतभेदों के चलते राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर एमएनएस की स्थापना की थी। तब से उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों के रास्ते अलग-अलग हो गए, हालांकि दोनों ही नेताओं की विचारधारा में अनेक समानताएं हमेशा बनी रहीं। राजनीतिक संकेत या भविष्य की रणनीति? राज ठाकरे का यह बयान सिर्फ एक विचार नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति में संभावित बड़े गठबंधन की ओर इशारा करता है। अगर एमएनएस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) एक साथ आते हैं, तो यह गठबंधन मराठी वोट बैंक पर बड़ा असर डाल सकता है, खासकर मुंबई और उपनगरीय क्षेत्रों में। इसके चलते इस बयान को अन्य दल गंभीरता से ले रहे हैं।

रोम में गुड फ्राइडे के अवसर पर कोलोसियम के बाहर मोमबातियों को लेकर पहुंचे लोग। (फोटो- ईएमएस)

ध्रुव की उड़ान पर रोक के बाद और भी हेलिकॉप्टरों पर संकट के बादल

बार-बार क्रैश हो रहे चेतक और चीता

नई दिल्ली, ईएमएस। हेलिकॉप्टरों को लेकर एक नया संकट दिखाई दे रहा है। चेतक और चीता बार बार क्रैश हो रहे हैं। इनमें उड़ान भरना किसी खतरे से कम नहीं है वहीं ध्रुव पर पहले से ही रोक लगी है। ऐसे में हेलिकॉप्टर संकट लाजिमी है। लगभग 330 ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) लंबे समय से ग्राउंडेड हैं। इसने सैन्य अभियानों, विशेष रूप से अग्रिम क्षेत्रों में सप्लाई उड़ानों और टोही मिशनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

भारतीय सशस्त्र बल पहले से ही 350 पुराने सिंगल-इंजन वाले चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों की खराब हालत और बार-बार क्रैश होने की घटनाओं से जूझ रहे हैं। ये ध्रुव हेलिकॉप्टर भारतीय सेना, वायुसेना, नौसेना और तटरक्षक बल की रीढ़ माने जाते हैं। ये हेलिकॉप्टर चीन और पाकिस्तान के साथ लगती सीमाओं के अग्रिम क्षेत्रों में सस्टेनेन्स फ्लाइट्स, निगरानी, टोही, खोज और बचाव अभियानों में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन पिछले तीन महीनों से इन सभी अभियानों में भारी रुकावट आ रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सभी सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है। ध्रुव हेलिकॉप्टर उड़ाने वाले पायलटों की उड़ान की दक्षता भी प्रभावित हो रही है, और अब वे केवल सिमुलेटर पर अभ्यास कर पा रहे हैं। ध्रुव हेलिकॉप्टरों पर सबसे ज्यादा निर्भरता 11.5 लाख सैनिकों वाली भारतीय थल सेना की है, जिसके पास 180 से अधिक एएलएच हैं, जिनमें 60 हथियारबंद वर्जन रुद्र शामिल हैं। वायुसेना के पास 75, नौसेना के पास 24 और तटरक्षक बल के पास 19 एएलएच हैं। इन 5.5 टन वजनी हेलिकॉप्टरों को 2002 से शामिल किया गया और वे सैन्य अभियानों का मुख्य आधार रहे हैं। सेना ने अकेले इन विमानों से 2023-24 में लगभग 40,000 घंटे की उड़ानें भरीं। एएलएच की ग्राउंडिंग से पहले से चली आ रही हेलिकॉप्टरों की भारी कमी और गहरा गई है। सशस्त्र बलों ने आने वाले 10-15 वर्षों में अलग-अलग श्रेणी के 1,000 से अधिक नए हेलिकॉप्टरों की आवश्यकता जताई है। इनमें 484 लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर (एलयूएच) और 419 मल्टी-रोल हेलिकॉप्टर शामिल हैं। लेकिन एचएएल द्वारा इन परियोजनाओं में लगातार देरी हो रही है।

खराब हाईवे पर टोल टैक्स नहीं वसूलने के हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली, ईएमएस। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें कहा गया था कि खराब स्थिति में हाईवे पर टोल टैक्स नहीं वसूला जाना चाहिए। इससे पहले हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय

राजमार्ग 44 पर लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर टोल शुल्क में 80 फीसदी की कटौती की थी। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एनएच-44 पर लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर 75 फीसदी की दर से टोल वसूल सकता है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 मई, 2025 को होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने फरवरी 2025 में एक जनहित याचिका के जवाब में आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि जब तक दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक एनएच-44 के लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर टोल शुल्क को 80 फीसदी तक कम किया जाए। हाईकोर्ट ने तर्क दिया था कि निर्माण कार्य के कारण राजमार्ग की खराब स्थिति के चलते यात्रियों से पूरा टोल वसूलना अनुचित यानी सही नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि टोल शुल्क का उद्देश्य यात्रियों को अच्छी और सुचारू सड़क प्रदान करना है और यदि सड़क खराब स्थिति में है, तो टोल वसूलना उचित सेवा के सिद्धांत का उल्लंघन है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कई अन्य निर्देश भी जारी किए थे, जिनमें टोल प्लाजा के बीच न्यूनतम 60 किलोमीटर की दूरी का पालन करने, टोल कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन करने और तीर्थयात्रियों से अनुचित टोल वसूली पर रोक लगाने जैसे बिंदु शामिल थे। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जून 2024 में एक वैश्विक कार्यशाला में कहा था कि खराब सड़कों पर टोल वसूलने का कोई औचित्य नहीं है।

अफगानिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकंप

जम्मू-कश्मीर समेत दिल्ली-एनसीआर तक महसूस हुए झटके

नई दिल्ली, ईएमएस। शनिवार दोपहर 12:17 बजे अफगानिस्तान में आए 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटकों का असर भारत के उत्तरी हिस्सों में भी महसूस किया गया। दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर में कई इलाकों में हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे घबराए लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि, राहत की बात यह है कि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप का एपीसेंटर अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में था और यह पृथ्वी की सतह से 86 किलोमीटर गहराई में आया। यह क्षेत्र भूकंप के लिहाज से संवेदनशील ज़ोन में आता है। श्रीनगर से मिली जानकारी के अनुसार, एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया, मैं ऑफिस में था, तभी मेरी कुर्सी अचानक हिलने लगी। कुछ ही पलों में दफ्तर के सभी लोग बाहर आ गए। ऐसे ही दृश्य दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में भी देखने को मिले, जहां लोग एहतियातन घरों और ऑफिस से बाहर निकल आए। मौसम विभाग के अनुसार, इस क्षेत्र में भूकंप आना कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन भूकंप की तीव्रता और स्थान को देखते हुए भारतीय इलाकों में भी कंपन महसूस किया गया। प्रशासन की ओर से लोगों से शांत और सतर्क रहने की अपील की गई है।

मुंबई में कायदे आजम जिन्ना के बंगले का पुनरुद्धार कराएगा विदेश मंत्रालय?

मोहम्मद अली जिन्ना ने 1936 में रहने के लिए बनवाया था, लगा है इटालियन मार्बल

मुंबई, ईएमएस। भारत-पाकिस्तान बंटावारे में मोहम्मद अली जिन्ना को दोषी माना जाता है तो वहीं पाकिस्तान में वह कायदे आजम के नाम से जाने जाते हैं। आजादी से पहले जिन्ना के मुंबई स्थिति घर जिन्ना हाउस को लेकर भी दो राय रही हैं। मुंबई के मालाबार में स्थित इस बंगले को एक वर्ग ढहाने की मांग करता रहता है तो वहीं कुछ लोगों का कहना है कि इस हेरिटेज प्रॉपर्टी को इस्तेमाल में लेना चाहिए। इससे ऐतिहासिक इमारत भी बनी रहेगी और उसका इस्तेमाल भी होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब विदेश मंत्रालय की तरफ से इसके पुनरुद्धार की मंजूरी मिलने वाली है। फिलहाल इस संपत्ति की देखरेख की जिम्मेदारी विदेश मंत्रालय के पास है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस इमारत को डिप्लोमैटिक एन्क्लेव के तौर पर स्थापित किया जा सकता है। यह ऐसे ही होगा, जैसे दिल्ली में हैदराबाद हाउस है। ठीक उसी तर्ज पर मुंबई में जिन्ना

हाउस रहेगा। जिन्ना हाउस का असली नाम साउथ कोर्ट है, लेकिन अंग्रेजी राज में बंटवारे के दौरान इसे जिन्ना हाउस कहा जाने लगा। इसे जिन्ना ने 1936 में अपने रहने के लिए बड़े अरमानों से बनवाया था, लेकिन फिर वह देश विभाजन के एजेंडे पर आगे बढ़े तो भारत उनके जेहन से छूट गया। फिर उनका यह घर मुंबई में भारत सरकार की संपत्ति बन गया, जबकि उनकी बेटी दीना वाडिया मरते दम तक इस पर हक पाने के लिए मुकदमा लड़ती रहीं।

दिल्ली में अचानक गिरी इमारत, 10 लोग मलबे में दबे

हादसे में अब तक 11 की मौत राहत व बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले के दयालपुर इलाके में शुक्रवार देर रात एक चार मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। यह हादसा मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र के शक्ति विहार कॉलोनी में रात 3 बजे के करीब हुआ, जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों और प्रशासन के मुताबिक इमारत गिरने के बाद करीब 10 लोग मलबे में दब गए।

राहत और बचाव कार्य में जुटे अफसरों ने अब तक मलबे से 18 लोगों को बाहर निकाल लिया है, जिनमें से 14 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है जिनकी पहचान चांदनी, दानिश, रेशमा और नावेद के रुप में हुई है। दिल्ली पुलिस एनडीआरएफ, फायर डिपार्टमेंट और डॉग स्क्वाड की टीमें घटनास्थल पर राहत कार्यों में जुटी गई।

भारत की आपत्ति के बाद रद्द हुआ श्रीलंका और पाकिस्तान सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली, ईएमएस। श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट के निकट होने वाला सैन्य अभ्यास रद्द हो गया है। भारत की आपत्ति के बाद श्रीलंका और पाकिस्तान का यह प्रस्तावित अभ्यास फिलहाल रोक दिया गया है।यह वही त्रिंकोमाली है जहां भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) मिलकर एक ऊर्जा हब विकसित कर रहे हैं। भारत ने इस अभ्यास को लेकर अपनी चिंताओं को श्रीलंका सरकार के समक्ष दृढ़ता से उठाया, जिसके बाद इस योजना को रद्द कर दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, यह नौसैनिक अभ्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा से कुछ सप्ताह पहले प्रस्तावित किया गया था। मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच पहली बार एक रक्षा सहयोग समझौता हुआ, साथ ही यूएई के साथ त्रिपक्षीय ऊर्जा परियोजना को लेकर भी एक समझौता हुआ जिसमें मल्टी-प्रोडक्ट पाइपलाइन और द्वितीय विश्व युद्ध के समय के तेल टैंक फार्म का विकास शामिल है। भारतीय अधिकारियों को जैसे ही इस संयुक्त अभ्यास की जानकारी मिली, कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंकाई प्रशासन से संपर्क किया और इस पर गहरी चिंता जताई। भारत ने साफ कहा कि इस क्षेत्र में उसके महत्वपूर्ण रणनीतिक हित हैं और इस तरह के अभ्यास भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह अभ्यास पाकिस्तान की ओर से जानबूझकर भारत को उकसाने की कोशिश के रूप में देखा गया।

अभिनेत्री रौतेला बोलीं-

बदरीनाथ के पास मेरे नाम का मंदिर लोग करते हैं पूजा?

मुंबई, ईएमएस। बदरीनाथ धाम के पास मेरे नाम का मंदिर है और श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना करते हैं...यह कहना है कि बॉलीडुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला का। उनके इस विवादित बयान के बाद उत्तराखंड में बवाल मच गया। तीर्थ-पुरोहित समाज रौतेला के बयान की निंदा कर रहे हैं। अभिनेत्री रौतेला का यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

बयान को लेकर लोग कमेंट्स भी कर रहे हैं। महापंचायत ने चेतावनी दी है कि यदि रौतेला ने बयान वापस नहीं और माफी नहीं मांगी तो उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। महापंचायत ने सरकार से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अभिनेत्री रौतेला के बदरीनाथ धाम के पास उर्वशी मंदिर को अपने नाम का बताए जाने पर उत्तराखंड चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत ने आपत्ति जताई है। महापंचायत ने चेतावनी दी है कि यदि रौतेला ने बयान वापस नहीं और माफी नहीं मांगी तो उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। महापंचायत ने सरकार से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इजराइली सेना गाजा में बरसा रही बम ताजा हमले में बच्चों समेत 25 की मौत

तेलअवीव, ईएमएस। गाजा में शुक्रवार को इजराइली हवाई हमलों में बच्चों समेत कम से कम 25 आम नागरिक की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में गाजा में नासिर अस्पताल के कर्मियों ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में इजराइल के हमलों में 15 लोग मारे गए, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। मृतकों में शामिल 10 लोग जबालिया शरणार्थी शिविर के हैं।

इजराइली हमले तेज होने के बाद गाजा में एक दिन पहले कई लोग मारे गए थे। इजराइल में नियुक्त अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी शुक्रवार को 'वेस्टर्न वाल' पहुंचे जो यरूशलम के पुराने शहर में यहुदियों का एक प्रमुख प्रार्थना स्थल है। हकाबी ने दीवार पर एक प्रार्थना पत्र को भी संलग्न किया जिस बारे में उन्होंने बताया कि इसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हाथों से लिखा है। हकाबी ने बताया कि ट्रंप ने उन्हें यरूशलम में शांति के लिए उनके प्रार्थना पत्र को लेकर जाने को कहा था। हकाबी ने कहा कि हमास की गिरफ्त में मौजूद शेष सभी बंधकों को वापस लाने के लिए कोशिश की जा रही है। गाजा में 18 महीने से जारी युद्ध के महत्वपूर्ण समय में हकाबी का आगमन हुआ है। अमेरिका समेत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ युद्ध विराम को फिर से पटरी पर लाना चाहते हैं। इजराइल की मांग है कि हमास कोई युद्ध विराम शुरू होने से पहले और भी बंधकों की रिहाई करे और क्षेत्र को खाली करने के लिए सहमत हो।

एक कविता ने हिला दिया रूस

मॉस्को, ईएमएस। कविता के जरिए रूस सेना पर 19 साल की लड़की ने हमला बोला। सेंट पीटर्सबर्ग की एक अदालत ने 19 साल की लड़की दार्या कोज़ीरेवा को युद्ध-विरोधी प्रदर्शन के लिए 2 साल 8 महीने की सजा सुनाई है। दार्या पर रूसी सेना को बदनाम करने का आरोप लगा है। दरअसल, उसने एक यूक्रेनी कवि की कविता की पंक्तियां सेंट पीटर्सबर्ग में उनके स्मारक पर चिपकाई थी। यह कविता रूस-यूक्रेन युद्ध के खिलाफ एक प्रतीकात्मक विरोध था। 2024 में एक रेडियो इंटरव्यू में दार्या ने युद्ध को भयानक और मुजरिम बताया था।

अमेरिका ने वीजा नीति में बदलाव करते हुए किया एलान...

विदेशी नागरिकों के सोशल मीडिया की होगी जांच

● **वाशिंगटन, ईएमएस**

अमेरिका ने वीजा नीति में बदलाव करते हुए ऐलान किया है कि 1 जनवरी 2007 के बाद गाजा पट्टी का दौरा करने वाले सभी विदेशी नागरिकों के वीजा आवेदन के दौरान उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच की जाएगी। यह फैसला अमेरिकी विदेश विभाग ने लिया है।

यह नया नियम सभी प्रकार के वीजा पर लागू होगा, चाहे वह अप्रवासी वीजा हो या गैर-अप्रवासी वीजा। इसमें छात्र वीजा, टूरिस्ट वीजा, डिप्लोमैटिक वीजा और गैर-सरकारी संगठनों में काम करने वाले कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के वीजा भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार का कहना है कि गाजा पट्टी से लौटने वाले लोग संभावित सुरक्षा जोखिम हो सकते हैं। यदि वीजा आवेदक के सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कोई ऐसा कंटेंट पाया जाता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो, तो उनका वीजा विशेष समीक्षा प्रक्रिया के लिए भेजा जाएगा। 2025 की शुरुआत से 300 से ज्यादा वीजा रद्द किए जा चुके हैं, जिनमें कई छात्र वीजा शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसे कई छात्रों के वीजा रद्द किए गए हैं जिन्होंने गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाइयों का विरोध किया था। इस पर कई लोगों ने सवाल उठाया है कि यह कदम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है।

हालांकि, अमेरिकी संविधान नागरिकों और वीजा होल्डर्स दोनों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है, फिर भी यह नीति लागू की गई है। इस मुद्दे में हार्वर्ड विश्वविद्यालय भी निशाने पर है। गाजा संघर्ष के बाद विश्वविद्यालय में हुए विरोध प्रदर्शनों को लेकर ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड से कई सख्त मांगें की थीं, जिनमें अमेरिकी मूल्यों के खिलाफ विचार रखने वाले छात्रों की स्क्रीनिंग और यहूदी विरोधी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करना शामिल था। हार्वर्ड द्वारा इन मांगों को न मानने के बाद अमेरिकी ने 2 बिलियन डॉलर की फेडरल फंडिंग रोक दी थी और होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने कहा था कि अब हार्वर्ड अंतरराष्ट्रीय छात्रों को बुलाने के योग्य नहीं है। संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार संगठनों और शिक्षाविदों ने इस नई नीति की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि यह डिजिटल सेंसरशिप और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है और यह उन छात्रों, कार्यकर्ताओं और मानवीय संगठनों को चुप कराने का प्रयास है जो इजराइल या अमेरिकी नीतियों की आलोचना करते हैं। साथ ही, यह नीति विदेशियों में डर का माहौल भी पैदा कर रही है।

जल संरक्षण की शपथ के साथ संपन्न हुई जल चौपाल

भोपाल (ईएमएस)। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम करारिया विकासखंड, बैरसिया जिला भोपाल में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा शनिवार को जल चौपाल लगाई गई। इस जल चौपाल में संभाग समन्वयक वरुण आचार्य एवं जिला समन्वक श्रीमती कोकिला चतुर्वेदी ने सभी को पानी बचाने के उपाय बताते हुए कहा कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है इसलिए हमें आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए जल संरक्षण करना ही होगा।

राजधानी लोकल

दोस्त की शादी से वापस लौटकर युवक ने फांसी लगाई

भोपाल(ईएमएस)। अशोका गार्डन थाना इलाके में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिवार वालो का कहना है कि शाम के समय अपने दोस्त की शादी में शामिल होने गया था, जहां उसने अन्य दोस्तो के साथ खासी मस्ती की। इसके बाद वापस आकर आत्मघाती कदम उठाने पर उन्हें कोई कारण समझ नहीं आ रहा है।

फटाफट खबरें

वाहन चेकिंग के नाम पर महिला से अभद्रता

भोपाल (ईएमएस)। अवधपुरी थाना इलाके में वाहन चेकिंग के नाम पर विधवा महिला ने दो पुलिसकर्मियो पर छेड़छाड़ और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीडिता ने घटना की शिकायत महिला आला अधिकारियो से की, जिसके बाद थाना पुलिस ने दो पुलिसकर्मियो के खिलाफ प्रकरण दर्ज किये की सूचना है। जानकारी के अनुसार अवधपुरी में स्थित प्रगति नगर में रहने वाली 33 साल की महिला ने शिकायत करते हुए बताया कि 17 अप्रैल को वह घर से सामान खरीदने बाजार गई थी। इस दौरान अवधपुरी पुलिस का थाने से कुछ दूरी पर चेकिंग पॉइंट लगा था। चेकिंग पॉइंट में प्रधान आरक्षक अतुल चौकसे और आरक्षक जितेंद्र तैनात थे। अतुल ने पीड़िता की गाड़ी रोकी और पूछताछ करते हुए उस पर चारित्रिक लांछन लगाते हुए अभद्रता करने लगा।

ट्रक डंपर में घुसा, चालक की मौत

भोपाल (ईएमएस)। मिसरोद थाना इलाके में स्थित समरधा में तेज रफ्तार ट्रक खड़े डंपर से जा भिड़ा। घटना 15 अप्रैल की बताई जा रही है। हादसे में घायल ट्रक चालक और क्लीनर को इलाज के लिये मंडीदीप के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत को देखते परिवार वाले एम्स हॉस्पिटल लेकर चले गये थे। एम्स में इलाज के दौरान बीती सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंडीदीप रायसेन में रहने वाला रिषीराज पिता हनुमत (31) ट्रक ड्राइवरी करता था। 15 अप्रैल को समरधा इलाके में सड़क पर खराब खड़े डंपर से उसका ट्रक जा भिडा। घटना में रिषीराज और क्लीनर को गंभीर चोट आई थी। उन्हें मंडीदीप के निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां उसका इलाज चल रहा था। तबीयत में सुधार नहीं होने के कारण परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे थे। वहां इलाज के दौरान रिषीराज की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंप दिया है।

कार ने मारी टक्कर, युवक घायल

भोपाल (ईएमएस)। बिशनखेड़ी चौराहे के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्क र मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस आगे की जॉच कर रही है। जानकारी के अनुसार श्यामपुर जिला सीहोर निवासी संजय मीना (22) फिलहाल शांति नगर कालोनी करोंद में रहते हुए मेडिकल कंपनी में काम करता है। तीन दिन पहले शाम करीब 6 बजे वह अपने दोस्त बंटी सिलावट के साथ ग्राम अचारपुरा से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बिशनखेड़ी चौराहे के पास अब्बास नगर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों चलती बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। संजय को हल्की चोट आई जबकि बंटी गंभीर रूप से घायल हुआ है।

हॉर्न बजाने की बात पर गुस्साये युवकों ने किया चाकू से हमला

भोपाल (ईएमएस)। जहांगीराबाद थाना इलाके में एक युवक पर अज्ञात आरोपियो ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। बताया गया है की फरियादी के हॉर्न बजाने से आरोपी गुस्सा होकर उससे उलझ गये थे। जानकारी के अनुसार फरियादी सोहेल शिकायत करते हुए पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर को निजी काम के चलते करीब 3 बजे वो अपनी बाइक से चरक अस्पताल के पास से होता हुआ जा रहा था। मदीना डेयरी के सामने अन्य वाहनो के होने पर वह रुक गया। तभी उसके पीछे से दो अज्ञात युवक तेजी से लगातार हॉर्न बजाते हुए उसके पास आए। दोनो युवक बेवजह हॉर्न बजाते जा रहे थे। सोहेल ने उन्हें हॉर्न नहीं बजाने की बात कही इस पर वह भड़क गए।

▸ वीडियो में पीड़ित से खुद को बाप कहलवा रहा था अरबाज

नाबालिग को निर्वस्त्र कर पीटते हुए वीडियो बनाने वाले बदमाशों की तलाश जारी

एमपी नगर से किडनैप कर बिलखिरिया ले जाकर की थी बेरहमी से मारपीट

भोपाल(ईएमएस)।

राजधानी में नाबालिग को निर्वस्त्र कर उसके साथ बेल्ट, थप्पड़ और चप्पल से बेरहमी से मारपीट करने वाले मुख्य बदमाश अरबाज सहित उसके अन्य साथियो की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। आरोपियों ने किशोर की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में मारपीट कर किशोर से बुलवाया जा रहा है, की अरबाज भाई हमारे बाप हैं।

आरोपियो ने नाबालिग को एमपी नगर से अगवा किया और उसे जर्बदस्ती अपने साथ अजनाल डैम बिलखिरिया ले जाकर मारपीट की। घटना 22 मार्च की रात की बताई गई है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद इसकी जानकारी किशोर के परिवार वालो को लगी और वह उसे लेकर गौतम नगर थाने पहुंचे। गौतम नगर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ अपहरण, मारपीट समेत पाक्सो एक्ट की धाराओं में जीरो पर प्रकरण दर्ज कर केस डायरी एमपी नगर पुलिस को भेज दी।

पुलिस के मुताबिक गौतम नगर इलाके में रहने वाला साढ़े 16 साल का नाबालिग निजी काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि उसके भाई शाहरुख की साल 2021 में नारियलखेड़ा में हत्या हुई थी।

शाहरुख भाई का दोस्त नदीम बच्चा अपराध में जेल में बंद है। किशोर नदीम से मिलने जेल जाता था। इस दौरान जेल में बंद आदतन बदमाश अरबाज ने उसे देख लिया। अरबाज और नदीम बच्चा की रजिंश चलती है। अरबाज जेल से छूटकर आया और नाबालिग की जानकारी जुटा ली। बीती 22 मार्च को पीड़ित किशोर चेतक ब्रिज के पास एक कैफे के पास खड़ा था, उसी समय अरबाज, शानू और अलताफ सहित उसके अन्य साथी वहॉ पहुंचे। उन्होनें उसे धमकाते हुए जर्बदस्ती बाइक पर बिठाया और बिलखिरिया थाने के सामने से अजनाल डैम लेकर पहुंचे। डैम के पास ले जाकर आरोपियो ने उसे नग्न कर चप्पल, बेल्ट से जमकर मारपीट की। इस बीच बदमाश गालियां देते हुए नाबालिग से कहलवाते रहे कि कहो अरबाज हमारा बाप है।

फरियादी किशोरी ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसे धमकी दी कि अगर पुलिस में शिकायत की तो उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के साथ ही जान से मार देंगे। बदमाशो की मारपीट और धमकी के डर से उसने पुलिस में शिकायत नहीं की। दो दिन पहले आरोपियों ने उसकी पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद परिजन उसे लेकर पुलिस के पहुंच गये। पुलिस ने बताया कि आरोपी अरबाज इन दिनो किसी अपराधिक प्रकरण में जेल में बंद है।

नाबालिग से शराब तस्करी करवाने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

भोपाल(ईएमएस)। मिसरोद पुलिस ने नाबालिग से शराब की दो पेटिंया जप्त कर उससे शराब के बारे में पूछताछ की तब उसने खुलासा किया की यह शराब उसे प्रकाश मंडल नाम के व्यक्ति ने उनके बताए ठिकाने पर पहुंचाने पर उसे पैसे देने को कहा हैं। पुलिस ने नाबालिग से शराब जब्त करते हुए आरोपी प्रकाश मंडल के खिलाफ जेजे एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार बीते कई दिनों से सूचना मिल रही थी, एक किशोर शराब की तस्करी कर रहा है, और बेचता भी है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने नाबालिग पर नजर रखते हुए उसे शराब की पेटी के साथ पकड़ लिया। जब नाबालिग से पूछा गया कि यह शराब कहां से आई तो उसने बताया की प्रकाश मंडल का युवक उसे शराब की पेटियां देकर जाता है। करीब पंद्रह दिन से वह पैसों का लालच देकर शराब देकर यहां वहां भेजता था। नाबालिग होने के कारण उस पर किसी को संदेह भी नहीं होता था। जॉच के बाद पुलिस ने प्रकाश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

एक्टिवा में आग लगाने वाला 5 हजार का इनामी जिलाबदर बदमाश गिरफ्तार

▸ तीन बदमाशों में से दो को जेल भेज चुकी है पुलिस

भोपाल(ईएमएस)।

पुराने शहर की टीलाजमालपुरा पुलिस ने बीते दिनो एक्टिवा में आग लगाने वाले बदमाशो में से दो को गिरफ्तार करने के बाद तीसरे फरार आरोपी को भी दबोच लिया है। आरोपी को जिला बदर किया गया था, साथ ही उस पर 5 हजार रूपये का इनाम भी घोषित था। थाना पुलिस के नगर निगम कालोनी, टीलाजमालपुरा निवासी फरियादी फराज पिता पप्पू उर्फ हसीन (23) ने अनुसार बीती 16 अप्रेल को रिर्पोट दर्ज कराते हुए बताया था की आरोपी साहिल, शब्बर और उवेश ने उसके साथ अड़ीबाजी करते हुए मारपीट कर उसके दो पहिया वाहन में आग लगा दी थी।

मामला दर्ज कर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए शब्बर और उवेश को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया था। तीसरा आरोपी साहिल उर्फ तोसिफ पिता इस्माईल (23) निवासी काजीकैम्प हनुमानगंज का निगरानी बदमाश है, जो वारदात के बाद से ही फरार चल रहा था। साहिल आदतन बदमाश है, उसका आपराधिक रिकार्ड देखते हुए पुलिस कमिश्नर द्वारा 28 जनवरी 25 को उसे 6 माह के लिये जिला बदर किये जाने के आदेश दिये गये थे।

इसके साथ ही जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले बदमाशो की धरपकड के लिये 5 हजार रुपये का इनाम दिये जाने का आदेश भी दिया गया है। बीते दिन पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली जिला बदर और अड़ीबाजी कर वाहन में आग लगाने की घटना का फरार बदमाश साहिल काजी कैम्प मे घूम रहा है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास धारदार छुरी भी मिली।

मुंबई में मंदिर तोड़ने के विरोध में भोपाल जैन समाज का धरना

भोपाल (ईएमएस)।

मुंबई में हुई जैन मंदिर तोड़ने की घटना एवं नीमच में मुनियों के साथ की अभद्र अत्याचार के विरोध में जैन समाज के प्रति लगातार हो रही घटनाओं से व्यथित होकर जैन समाज भोपाल ने मंगलवारा जैन मंदिर के सामने धरना दिया, जिसमें सभी समाज जन काली पट्टियां विरोध स्वरूप लगाई।

बच्चे एवं महिला तथा समाज जन अपने हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर नारे एवं घटना की पुनर्विवर्ती रोकने की मांग लिखी हुई थी। समाज के मीडिया सहयोगी अंशुल जैन ने बताया कि धरने का नेतृत्व पंचायत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु मंदिर कमेटी

के अध्यक्ष आदित्य मनिया ने किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष ऋषभ जैन रद्दी मंत्री विजय जैन सुनील सिंघई पंकज प्रधान संजय मुंगावली कमल अजमेर महेंद्र हुंडी सहित मंगलवार कमेटी के पदाधिकारी एवं समाज के विशिष्ट जन मनोज मन्नू, राजेश मुस्कान, अशोक अजमेरा, राकेश जैन, मनीष सिंघई, अन्नू जैन, प्रदीप जैनआम आदमी पार्टी नेता विशाल छावनी, सुधीर सिद्धि ग्राफिक,, राजेश जैन, अशोक मोदी, डॉक्टर राजेश जैन, संध्या जैन, नीता रोशला, मनीषा मन्नू, अनीता जैन,अनूप सिंघई, सतीश शीतल, सुधीर पूजा, अनिल जैन, पिंटू जैन,मनोज ठेकेदार, सुरेन्द्र परसोंन, सहित अनेक जन सम्मिलित थे। महिला मंडल बहू मंडल एवं समाज जन उपस्थित रहे। तत्पश्चात प्रधानमंत्री जी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा राज्यपाल को ज्ञापन भेजे।

बाइक सवार बदमाशों ने एक घंटे में दो लोगों के मोबाइल झपटे

भोपाल(ईएमएस)।

गोविंदपुरा इलाके में बैखौफ लुटेरों ने एक घंटे के भीतर ही शासकीय कर्मचारी समेत दो लोगों को अपना निशाना बनाते हुए उनके हाथ से मोबाइल झपट लिए। पुलिस के अनुसार 41 वर्षीय लोकेश जोगी अयोध्या नगर इलाके की राजीव नगर कॉलोनी में रहते हैं, और स्वास्थ विभाग में नौकरी करते हैं। बीती शाम वे एमपी नगर से अपने घर की ओर बाइक से जा रहे थे। केरियल कॉलेज के पास उनके मोबाइल फोन पर कॉल आया तो वे बाइक सड़क किनारे रोककर खड़े होकर बात करने लगे। इसी दौरान बाइकसवार दो युवक आए तथा उनके हाथ से मोबाइल झपटकर ले गए। वहीं 19 वर्षीय देवराज मेसोर ने पुलिस को बताया की वह पुराना नगर गोविंदपुरा में रहता है, ओर बारहवीं कक्षा का छात्र है। बीती शाम करीब 6 बजे वह गोविंदपुरा मस्जिद के पास खड़ा था इसी दौरान बाइकसवार बदमाश उनके हाथ से मोबाइल झपटकर फरार हो गए। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस सूत्रो के अनुसार बदमाशों के बारे में अहम सुराग हाथ लगा जिसके आधार पर जल्द ही बदमाशो को दबोचते हुए।

जिला बदर बदमाश धारदार हथियार लेकर घूमता मिला

भोपाल(ईएमएस)।

शाहजहाँनाबाद थाना पुलिस ने एक ऐसे जिला बदर बदमाश को धारदार हथियार सहित गिरफ्तार किया है, जो पुलिस से बचने के लिये अपना हुलिया बदलकर घूम रहा था । पकड़ाये गये बदमाश के खिलाफ शहर के अलग-अलग थानो में 26 संगीन मामले दर्ज है।

बदमाश ने बीते दिनो एमपी नगर थाना इलाके में भी एक वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार भोपाल गेट के पास सदिंग्धो की धरपकड़ के लिये वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौराने काले रंग की थार जीप का चालक पुलिस चेकिंग को देखकर तेज स्पीड से भागने लगा। शक होने पर टीम ने घेराबंदी कर उसे घेराबंदी कर पकड लिया।

खण्ड - I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन वन विभाग
कार्यालय वनमण्डल अधिकारी, वनमंडल हरदा उत्पादन
दूरभाष क्रमांक- 07577-222025 Email- dfopharda@mp.gov.in
ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या- स्टोर / 2025/3726 दिनांक 16/04/2025

1. वनमंडल अधिकारी वनमंडल हरदा उत्पादन द्वारा म0प्र0 भंडार कय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधन - 2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई - निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	सामग्री का विवरण	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
01	विदोहन वर्ष 2025–2026 में उपयोग होने वाली विदोहन सामग्री	25000	1000

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखें और डाउनलोड किए जा सकते है।
2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट / कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिग के माध्यम पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनॉक 17-04-2025 शाम 6.55 बजे से दिनॉक 13-05-2025 शाम 6.55 बजे तक केवल ऑनलाईन खरीद सकतें है।
3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप मे उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियाँ लागू होगी।
4. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्रिपत्र / परिशिष्ट यदि कोई है तो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किये जाएगें, समाचार पत्रों में नहीं
5. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल - https://mptenders.gov.in/ ।

G-11763/25
वनमंडल अधिकारी,
वनमंडल हरदा (उत्पादन)

क्रिकेट सट्टे में दो दोस्तों ने गंवाए करोड़ों घर छोड़ चली गईं उनकी पत्नियां !

▸ यंगस्टर को भा रहा है क्रिकेट सट्टा बुकियों का ग्लैमर

भोपाल,ईएमएस। राजधानी के उपनगर संतनगर में पिछले 05 वर्षों से क्रिकेट सटोरियों का ग्लैमर इतना छा गया है कि यहां के यंगस्टर बड़ा अधिकारी या व्यापारी बनने के बजाय क्रिकेट सटोरिया बनना ज्यादा पसंद कर रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप बड़ी संख्या में यंगस्टर क्रिकेट सट्टे की दुनिया में घुसकर अपना तथा अपने परिवार का जीवन बर्बाद कर रहे हैं। आईपीएल क्रिकेट श्रृंखला में करोड़ों रुपए गवाने वाले दो शादीशुदा युवकों की पत्नियों घर छोड़ कर चली गई है। दोनों युवक गहरे दोस्त भी है। बैरागढ़ मैन रोड पर कपड़ा दुकान चलाने वाले एक व्यापारी के बेटे ने क्रिकेट सट्टे में अपनी पैतृक संपत्ति फूंक डाली और अपने बाप की करोड़ों रुपए की दुकान भी एक सट्टा बुकी के यहां हार गया। करोड़पति से फुटपाथी बने इस यंगस्टर की तरह अनेक युवा आज अपना परिवार बर्बाद कर चुके हैं।पिछले 5 वर्षों के दौरान क्रिकेट सट्टा में अपने परिवार की जमा पूंजी गंवाने वाले एक दर्जन युवक आत्महत्या कर चुके हैं तथा दो दर्जन से ज्यादा युवक शहर छोड़ कर भाग गए हैं। इसी तरह सैकड़ो लखपति परिवार जिनके बच्चे क्रिकेट सट्टा में लिप्त है वे कंगाल बनकर रह गए हैं। उपनगर में केवल 20-30 सट्टा बुकियों ने अल्प समय में करोड़ों रुपए कमाकर अपना ग्लैमर फिल्मी स्टाइल से रखा है।

गिद्धों को रास आया गांधी सागर अभयारण्य

मंदसौर के अभयारण्य में गिद्धों की संख्या बढ़कर 1007 हुई

भोपाल,ईएमएस। देश भर में जहां गिद्ध विलुप्त होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। वहीं मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य का वातावरण गिद्धों को ऐसा रास आया कि एक साल में ही गिद्धों की संख्या 1000 के पार पहुंच गई है।

वन विभाग द्वारा करवाई गई वार्षिक गणना में गांधी सागर अभ्यारण में अब गिद्धों की संख्या 850 से बढक़र 1007 हो गई है। वहीं, गिद्धों की 7 प्रजाति यहां निवास कर रही हैं। दरअसल, देशभर में विलुप्ति की कगार में पहुंच चुके गिद्धों को बचाने के लिए वन विभाग विशेष प्रोजेक्ट चला रहा है। इसके लिए हर वर्ष शीतकाल और ग्रीष्मकाल में गिद्धों की गणना की जाती है। साल 2024 में मध्य प्रदेश में पन्ना जिले में सर्वाधिक गिद्ध गणना में मिले थे, जबकि मंदसौर जिला दूसरे नंबर पर रहा था। वहीं मध्य प्रदेश में साल 2025 के सभी जगह पर गणना के बाद इसके आंकड़े जारी किए जाएंगे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, भोपाल संभाग भोपाल पुराना सचिवालय भोपाल
E-Mail_ID - eeresbhopal@mp.gov.in
निविदा विज्ञप्ति क्र.-: 02 / 2025-26
क्रमांक 1088 दिनांक :- 15.04.2025
मण्डल अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	ग्रायांसे संभागीय कार्यालय	सिस्टम टेण्डर नम्बर	आमंत्रण का क्रम	कार्य का नाम	निर्माण कार्यों की अनुमानित लागत (लाख में)
1	भोपाल	2025_RES_416990_1	प्रथम	Empanelment of Agencies Consultancy NCY Firms to Support Zila Panchayat Bhopal MP for operation and Maintenance of non-biodegradable & Plastic waste management unit/material recovery facility (MRF)	9.60

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट), वेबसाईट: https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेगें। ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय प्रारंभ करने की तिथि 22.04.2025 समय 18: 00 बजे है। निविदा (बिड) प्रपत्र प्रस्तुत करने का अंतिम दिनांक 06.05.2025 समय 18.00 बजे तक है। विस्तृत निविदा सूचना व अन्य जानकारी वेब साईट पर देखी जा सकती है। संशोधन संबंधी सूचनाएँ केवल वेबसाइट पर दी जावेगी । पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।
कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
भोपाल संभाग भोपाल
G-11748/25

▸ खजुराहो, नौगांव-गुना में पारा 44 के पार...28 शहरों में 40 डिग्री से ज्यादा रहा तापमान, अगले 5 दिन ऐसा ही मौसम

मध्यप्रदेश में सितम बनकर टूटेगी गर्मी

भोपाल,ईएमएस।

मप्र में इस साल रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ेगी। मप्र में शुक्रवार को सीजन में पहली बार दिन का पारा 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। खजुराहो और नौगांव में तापमान क्रमश= 44.6 डिग्री और 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुना में यह 44.3 डिग्री रहा। प्रदेश के बड़े शहर- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर भी सीजन के सबसे गर्म रहे। ग्वालियर में तापमान 43 डिग्री, उज्जैन में 42.8 डिग्री, भोपाल में 42.2 डिग्री, जबलपुर में 42.1 डिग्री और इंदौर में 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को 28 शहरों में पारा 40 डिग्री या इससे अधिक रहा। ऐसा सीजन में पहली बार हुआ है, जब इतने शहरों में भीषण गर्मी पड़ी है।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को रतलाम, सागर-सीधी में 43.8 डिग्री, दमोह में 43.6 डिग्री, सतना-शाजापुर में 43.1 डिग्री,

नर्मदापुरम-रीवा में 42.6 डिग्री, टीकमगढ़ में 42.3 डिग्री, शिवपुरी-रायसेन में 42 डिग्री, मंडला में 42 डिग्री, धार में 41.9 डिग्री, उमरिया में 41.7 डिग्री, खरगोन में 41.4 डिग्री, मलाजखंड में 41 डिग्री, सिवनी में 40.4 डिग्री, बैतूल में 40.2 डिग्री, खंडवा में 40.1 डिग्री और छिंदवाड़ा में 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि दिन के तापमान में बढ़ोतरी के साथ रात में भी गर्मी बढ़ी है। अगले 5 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकडऩे के साथ इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, नर्मदापुरम संभागों में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 2 से 3 दिन लू चल सकती है।

पहले-दूसरे सप्ताह में तेज गर्मी और बारिश

अप्रैल के पहले और दूसरे सप्ताह में तेज गर्मी और बारिश का दौर बना रहा। पहले सप्ताह में सभी संभागों में सामान्य से 2-3 डिग्री ज्यादा 21-24 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, दिन में पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान इंदौर, सागर और नर्मदापुरम संभागों में सामान्य से ज्यादा 39 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर समेत बाकी संभागों में यह 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पहले सप्ताह रतलाम में लू चल चुकी है। वहीं, बाकी शहरों में गर्म हवाओं से गर्मी बढ़ी रही।

कलेक्टर ने दो ग्रामों में हुई आगजनी घटना का मौके पर पहुंचकर किया औचक निरीक्षण

दतिया, ईएमएस। आज शनिवार को कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन ने राजस्व अमले के साथ जिले के दो ग्रामों में हुई आगजनी की घटना का मौके पर पहुंचकर किया औचक निरीक्षण कर किसान भाइयों को हुए उनके नुकसान पर जताया अफसोस।

संवाद

चीचली स्थित प्राचीन बावड़ी की साफ- सफाई और किया गहरीकरण

नरसिंहपुर, ईएमएस। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है। अभियान की शुरूआत से ही जिले में लगातार जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं। इसी म में जिले की प्राचीन बावड़ियों को संवारने का कार्य भी किया जा रहा है।

कहानी

बादल छँट गए

अलका प्रमोद

उस पत्र पर उकेरे चिरपरिचित अक्षर देख कर, अतीत के धुँधलके से विस्मृत हुए चित्र उभरकर सामने आ गए जिन्होंने कनु को क्षण भर के लिए निस्पंद कर दिया। इस लिखावट को वह कैसे भूल सकती है, इसी लिखावट को लिखने वाले ने उसकी जीवन पत्री के चंद पन्ने ऐसे लिखे जिन्हें स्मरण करने मात्र से उसके मुंह का स्वाद कसैला हो जाता है। आज उसी के द्वारा लिखा पत्र पता नहीं किस झंझावात की पूर्व सूचना है। यद्यपि पत्र सारा के नाम था और युवा बेटी के निजी जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप के वह नितान्त विरुद्ध थी पर इस पत्र को लेकर उत्पन्न उत्सुकता, व्याकुलता और चिन्ता ने उसके सिद्धातों को परे ढकेल कर पत्र पढ़ने को विवश कर दिया, कनु ने कांपते हाथों से पत्र खोला। वह पत्र क्या, एक झंझावात का संदेश ही था जिसने उसके मन के वातायन को झटके से खोल कर सब कुछ अस्त व्यस्त कर दिया था। पत्र असीम का था जिन्होंने आज से सोलह वर्षों बाद अपनी वयस्क हो चुकी पुत्री सारा को उसके वास्तविक जनक से परिचित कराया था और इतने वर्षों का प्यार एक साथ उड़ेल दिया था तथा उसे अपने पास बुलाने का आग्रह किया था।

क्षण भर को उसकी सोचने समझने की शक्ति निचुड़ गई थी और वह विचलित हो गई। उसका किसी कार्य में मन नहीं लग रहा था मन में बस एक ही प्रश्न सिर उठा रहा था कि यदि सारा सच में असीम के पास चली गई तो उसका विछोह तो वह सह लेगी पर पुनीत से कैसे दृष्टि मिलाएगी, उसके सामने तो कनु का सिर सदा के लिए झुक जाएगा।

इसी उधेड़बुन में उलझी वह अनिच्छा से खाना बनाती रही। तभी पुनीत आ गए, उसका सफेद चेहरा देख कर घबरा कर बोले, क्या हुआ कनु? फिर कनु के अश्रुपूरित नेत्र देख कर बोले, सारा तो ठीक है न? उसका सारा के लिए इस प्रकार चिन्तित होना देख कर कनु के हृदय में हूक सी उठी, उसने बिना कुछ कहे पत्र पुनीत की ओर बढ़ा दिया। पत्र पढ़ कर पुनीत भी कुछ देर स्तब्ध हो कर विमूढ़ से बैठे रह गए। कनु ने सुझाव दिया कि क्यों न वह फाड़ कर फेंक दे, पत्र सारा को दे ही नहीं यह सुन कर पुनीत गंभीर स्वर में बोले यह तो पलायन हुआ, रेत में सिर छिपा लेने से तूफान टल नहीं जाता फिर आज नहीं तो कल असीम सारा तक अपना संदेश पहुँचा ही देंगे, तब सारा क्या सोचेगी हमारे बारे में? कनु ने अधीर हो कर कहा, फिर क्या करें? असीम ने दृढ़ स्वर में कहा, कनु सत्य यही है कि असीम सारा के पिता है, उनको मिलने से रोकने का अधिकार हमें नहीं है, उचित तो यही है कि इसका निर्णय सारा पर छोड़ दें। द्वार पर घंटी बजी, कनु चौंकी, आज यह ध्वनि इतनी कर्णभेदी क्यों लगी जबकि प्रतिदिन इसी ध्वनि का माधुर्य उसे उल्लासित कर देता था और वह आगन्तुक बेटी के स्वागत में यों दौड़ती थी मानो बेटी कुछ घंटों नहीं, कई घंटों के बाद लौटी हो। आज उसके पैर भारी हो रहे थे तभी द्वार पर पुनः घंटी बजी। उसने द्वार खोला तो सारा बोली, ओहो ममा कितनी देर में दरवाजा खोला। फिर उसका मुरझाया हुआ चेहरा देख कर बोली, मम्मा एनी थिंग रांग? कुछ गड़बड़ है, कनु ने स्वयं को व्यवस्थित करते हुए कहा, कुछ नहीं हाथ मुँह धो लो, मैं खाना लगाती हूँ।

प्रतिदिन खाने की मेज पर जब तीनों बैठते तो उत्सव का सा वातावरण होता था पर आज खाने की मेज पर असामान्य रूप से शान्ति थी, जो किसी तूफान के आने का संकेत दे रही थी। प्रत्यक्ष में तो कनु खाना खा रही थी पर उसके मन में अनेक प्रश्न सिर उठा रहे थे, क्या सारा मुझे छोड़ कर जा सकती है, क्या पुनीत का प्यार वह भूल जाएगी? फिर उसका मन विरोध करता, नहीं ऐसा नहीं हो सकता, पर दूसरे ही क्षण आकांक्षा पुनः सिर उठाती। इसमें असीम का रक्त भी तो बह रहा है फिर खून तो जल से गाढ़ा होता ही है, क्या पता वह असीम की बातों से आकर्षित हो जाए। फिर असीम ने उसे नर्सिंग होम खुलवाने का वादा भी तो किया है। अपने में ही उलझी कनु सारा के मुख मंडल पर अपने प्रश्नों के उत्तर ढूँढ़ने का असफल प्रयास कर रही थी। सारा ने असामान्य वातावरण देख कर कहा, मम्मा कहाँ हो तुम! कब से पहली रोटी लिए बैठी हो, पापा आप भी चुप बैठे हैं, कोई मुझे कुछ बताता क्यों नहीं! कनु ने वह पत्र ला कर सारा को दे दिया, पुनीत इस अवांछित स्थिति से बचने के लिए अपने कमरे में चले गए। कनु उस छात्रा के समान, जिसका प्रश्न पत्र बिगड़ गया हो, धड़कते हृदय से परिणाम जानने की प्रतीक्षा करने लगी। सारा ने पत्र पढ़ा और लापरवाही से एक कोने में फेंक कर अस्पताल की ओर चल दी, जैसे वह पत्र साधारण सा कोई समाचार देने वाला पत्र हो। उसने इस विषय में कनु से चर्चा की आवश्यकता भी नहीं समझी। कनु खीज गई, यहाँ प्राण निकल रहे हैं और इसे अस्पताल जाने की पड़ी है। पर अपनी ओर से कुछ पूछने का साहस वह नहीं कर पाई और सारा चली गई।

कनु का पुनीत का सामना करने का साहस नहीं था। न जाने क्यों वह स्वयं को उसका अपराधी अनुभव कर रही थी अतः बाहर के कमरे में जा कर लेट गई। उसका मन अतीत के सागर में गोते लगाने लगा। असीम ने उसके रूप और लावण्य पर मोहित हो कर उसका वरण किया था। वह बात दूसरी है कि विवाह के बाद दोनों को अनुभव हुआ कि वह दोनों झरने की उन दो धाराओं के समान हैं जो विपरीत ढलानों पर गिरती हैं और उनके मध्य इतनी विशाल चट्टान है जिसे काट कर दोनों धाराओं को समाहित करना असंभव नही तो दुष्कर अवश्य है। कनु जितनी सरल और स्वाभाविक थी, असीम उतना ही व्यवहारिक और महत्वाकांक्षी, वह सदा आडम्बरों और दिखावे के बाह्य आवरण में छिपे रहने में विश्वास करता था। उसे कनु की सहजता और सरलता मूर्खता लगती। वह ऊपर चढ़ने हेतु अवैधानिक सीढ़ियों के प्रयोग में भी नहीं हिचकता था तो कनु के लिए सिद्धान्त ही उसकी पूंजी थे। असीम कभी निकली हीरों के हार को असली हार के रूप में प्रस्तुत करता और सरला कनु उसका मूल्य और दुकान बता कर अनचाहे ही उसका पोल खोल बैठती, तो कभी उसके मित्रों के समक्ष बिना प्रसाधन के ही आ जाती। कनु को कभी समझ नहीं आया कि अपनी आर्थिक स्थिति अधिक बताने में कौन से सुख निहित है और क्या मनुष्य ईश्वर से भी बड़ा चितेरा है जो उसके द्वारा प्रदत्त सौंदर्य में अपना हस्तक्षेप करें। इन्हीं छोटी छोटी बातों में उनमें प्रायः वाक्युद्ध हो जाता।

नन्हीं सारा के जन्म ने उसके मध्य युद्ध के और भी कारण सहज उपलब्ध करा दिए थे। उसके पालन पोषण और संस्कारों को ले कर उनके मध्य अच्छा खासा मतभेद रहता था। असीम सारा को अंग्रेजी सिखाता। वह बताता कि, हैन्की में नोजी पोंछ लो और अंकल आंटी बोलो। तो कनु हिन्दी में चाचा चाची कहना सिखाती। उसे अंकल आंटी में बनावटी पन की अनुभूति होती और चाचा चाची जैसे संबोधनों में आत्मीयता छलकती लगती। उसका तर्क था कि पहले बच्चे में मातृभाषा को ज्ञान तो हो, समय के साथ अंग्रेजी तो सीख ही जाएगी। असीम बिगड़ जाता, तुम पढ़ी लिखी गँवार हो, उच्च वर्ग में जाने लायक नहीं हो। यह कनु को अपना अपमान लगता। ऐसा नहीं कि उसे अँग्रेजी आती नहीं पर वह अपनी भाषा बोलने में सहजता और आत्मीयता का अनुभव करती। सज सँवर कर पार्टियों में जाना और अपने आभूषणों और कपड़ों का प्रदर्शन करना उसे हास्यास्पद और अरुचिकर लगता।

एक बार असीम कनु और सारा को ले कर अपने उच्च अधिकारी के घर गए, वहाँ सारा को लघुशंका की आवश्यकता हुई तो कनु ने बॉस की पत्नी से पूछ लिया, भाभी जी टॉयलेट कहाँ है? सारा को सू सू कराना है। यह सुन कर असीम अपमान से लाल भभूका हो उठा। उसे ऐसा लग रहा था जैसे भरी भीड़ में उसे चोर सिद्ध कर दिया गया हो पर बास के घर पर मात्र कनु पर आँखें तरेर कर रह गया। बॉस के घर से निकलते ही वह कनु पर बुरी तरह बरस पड़ा और क्रोधावेश में दंडस्वरूप नन्हीं सारा के कोमल कपोलों पर भी अपनी पाँचों उंगलियाँ छाप दीं। वह मासूम तो यह भी नहीं समझ पाई कि यदि उसे सू सू जाना था तो उस में उसका क्या अपराध था। बात सामान्य सी थी पर घर का वातावरण कई दिनों तक असामान्य रहा। इसी प्रकार की नित्य प्रति की छोटी छोटी बातों से उनके संबंधों की डोर का तनाव चरम सीमा तक पहुँच चुका था, अब तो बस एक छोटा सा आघात ही उसे तोड़ने के लिए सक्षम था। अन्ततः वह घड़ी आ ही गई।

एक दिन कनु ने परिवार में एक और नए आगन्तुक के आने की सूचना दी। असीम के भौतिक साधनों को जुटाने की वृहद योजना में एक और प्राणी की परिवार में बढ़ने की सामर्थ्य न थी अतः उस अनचाहे गर्भ को असीम की उन्नति के मार्ग का व्यवधान बनने का दंड भुगतना पड़ा। कनु अनिच्छ से गर्भ समापन करवा कर शिथिल मन से लौटी ही थी कि उसे पापा के न रहने का सुखद समाचार मिला। एक पापा ही थे जिनसे वह मानसिक रूप से सबसे निकट थी। मम्मी तो पहले ही नहीं थीं अतः पापा के न रहने की सूचना पाकर वह पूर्ण रूप से बिखर गई पर कालचक्र के प्रहारों को सहना तो हमारी विवशता है। कनु और असीम उसी दिन कनु के मायके गए, असीम तो लौट आए पर कनु तीन दिन क्रियाकर्म सम्पन्न होने के बाद लौटी, उस समय असीम कार्यालय गए थे। दोपहर में जब वह आए तो कनु का चेष्टा से रोका गया दुख का बाँध ढह गया और वह उसके कंधे लग कर रो पड़ी। इस समय उसे एक आत्मीय सांत्वना की आवश्यकता थी पर उसकी भावना को किनारे रख कर असीम अव्यवस्थित घर और अस्त व्यस्त सारा को देख कर क्रोधावेश में चिल्ला पड़ा, क्या गंवारों की तरह रो रही हो, तुम्हें पता है कि सारा बिना चप्पल के बिखरे बालों में बाहर खेल रही है, कालोनी के लोगों ने देखा होगा तो हम लोगों को कितना फूहड़ा समझा होगा। फिर बोले, आज मिस्टर शर्मा शाम को आएँगे, उनके सामने अपना रोना चेहरा ले कर मत आ जाना। कनु विस्फरित नेत्रों से असीम को देखने लगी, आज वह सोचने को विवश हो गई कि वह ही मूर्ख है जो इस भावना शून्य व्यक्ति में भावनात्मक सम्बल ढूँढ़ रही थी। वह स्वयं से प्रश्न करने लगी कि क्यों वह सब सह रही है जबकि वह स्वयं ही सक्षम है कि अपना और सारा का आर्थिक भार उठा सके। जिस समाज में असीम रहते हैं उससे वह तारतम्य बैठा नहीं सकती। भावनात्मक पोषण की आशा अब पूर्ण रूप से समाप्त हो चुकी थी। सम्पूर्ण दिन और रात के विचार के बाद उसने स्वाभिमान से जीने का निर्णय ले लिया। असीम इस अप्रत्याशित निर्णय पर चौंके अवश्य पर उन्हें पूर्ण विश्वास था कि कनु सारा के साथ अकेले जीवन पथ पर नहीं चल पाएगी और लौट ही आएगी अतः उन्होंने उसे रोकने का विशेष प्रयास नहीं किया। असीम का अहम् झुक गया, कनु ने एक बार पैर बाहर निकाले तो मुड़ कर नहीं देखा। उसे एक कालेज में प्रवक्ता की नौकरी मिल गई। जीवन पथ सहज न था पर उसका आत्मसम्मान सुरक्षित था। उसे दिन रात प्रताड़ित नहीं किया जाता था, सारा भी इस शान्त वातावरण में अपेक्षाकृत प्रसन्न थी। असीम से विच्छेद हो गया। असीम ने फिर कभी इन दोनों के विषय में जानने का प्रयास नहीं किया। उसे भय था कि कहीं सारा के दायित्व वहन करने में उसकी भागीदारी न ठहरा दी जाए। शनैः शनैः जीवन के अंधेरे कम होते गए और एक दिन उसके जीवन में अंधकार का स्थान प्रकाश पुंज ने ले लिया। पुनीत उसी कालेज में प्रवक्ता थे, धीर गंभीर, संवेदनशील और संयमित। कनु को हर पग पर उन्होंने निस्वार्थ सहयोग दिया, जितना अनु ने चाहा उससे लेश मात्र भी आगे नहीं बढ़े। कनु की सादगी संस्कार और क्षमताओं के प्रशंसक पुनीत की प्रेरणा से असीम प्रदत्त व्यंग्यों से खोया आत्मविश्वास पुनः लौट आया। पुनीत ने ही उसे अनुभव कराया कि उसका स्वर कितना मधुर है जिससे प्रेरित होकर उसने संगीत सीखना प्रारम्भ किया। आज उसे अनेक कार्यक्रमों में निमंत्रित किया जाता है। पुनीत जब भी घर आते तो सारा से इतने घुल मिल जाते कि वह उन्हें सरलता से न जाने देती। अब तो स्थिति यह थी कि यदि चार दिन भी पुनीत न आते तो कुछ सूना सा लगता। वह कनु और सारा की आवश्यकता बनते जा रहे थे और एक दिन उन्होंने स्थायी रूप से कनु और सारा का दायित्व उठा लिया।

साभार...

सुविचार

दुःख का कारण हमारी चित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है।
- भगवान श्री कृष्ण

कर्म की उत्पत्ति विचार में है, अतः-विचार ही महत्त्वपूर्ण हैं।
- साई बाबा

प्रसंग...

प्रेरणा कहीं से भी मिल सकती है

पोरबन्दर के एक पंडित ने कहा, स्वामी जी, यहाँ भारत में धर्म के अनेक पंडित हैं, यहाँ आपकी बात कौन सुनेगा ? आप विदेश जाएँ । स्वामी विवेकानन्द अमरीका गए । कुछ दिन भ्रमण करते उनकी जमा पूँजी चुक गयी । एक व्यक्ति ने उन्हें वोस्टन जाने का किराया दिया और विश्वधर्म सम्मेलन के एक सदस्य के नाम पत्र भी । वह भी राह में कहीं खो गया । ठण्ड के मारे उन्हें लकड़ी के बक्से में रात बितानी पड़ी। सुबह पैदल ही चल पड़े। थककर एक आलीशान भवन के नीचे बैठकर सोचने लगे अब क्या करूँ? पत्र भी खो गया । धर्म सम्मेलन में प्रवेश कैसे हो? अन्ततः ईश्वर ने उनकी बात सुन ली। उस महल से एक संभ्रात महिला दिव्य मुख मण्डल वाले संन्यासी को एक टक देख रही थी ।
उसने इन्हें ऊपर बुलाया। यह श्रीमती एच. डब्ल्यू. हैल थी। उनकी पहुँच इस विश्व सम्मलेन के सदस्यों तक थी । बस ! स्वामी जी को अनौपचारिक रूप से ही सही सम्मेलन में प्रतिनिधित्व प्राप्त हो गया ।

जरा हटके

पोटैशियम से भरपूर फल और सब्जियां खाकर नियंत्रित कर सकते हैं हाई ब्लडप्रेशर

ओटावा (ईएमएस)। डॉक्टरों की माने तो पोटैशियम से भरपूर फल और सब्जियां खाने से हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद मिल सकती है। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू के वैज्ञानिकों ने पाया कि खाने में पोटेशियम की मात्रा बढ़ाकर और नमक (सोडियम) की मात्रा घटाकर ब्लड प्रेशर को बेहतर ढंग से कंट्रोल किया जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, आमतौर पर हमें कम नमक खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन हमारा अध्ययन बताता है कि केले या ब्रोकली जैसे पोटैशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने से ब्लड प्रेशर पर और भी अच्छा असर पड़ सकता है। पोटैशियम और सोडियम दोनों ही ऐसे तत्व हैं जो शरीर में मांसपेशियों की क्रिया और पानी की मात्रा को नियंत्रित करते हैं। इस अध्ययन को अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी- रीनल फिजियोलॉजी में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने कहा कि पुराने समय में इंसान ज्यादा फल और सब्जियां खाते थे, जिससे शरीर इस तरह की डाइट के हिसाब से ढल गया था - जिसमें पोटैशियम ज्यादा और सोडियम कम होता था। लेकिन आज के पश्चिमी खानपान में नमक ज्यादा और पोटेशियम कम होता है। शायद इसी कारण विकसित देशों में हाई ब्लड प्रेशर ज्यादा पाया जाता है, जबकि दूरदराज के इलाकों में यह कम होता है। पोटैशियम का सेवन बढ़ाने से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में कैसे मदद मिल सकती है, यह समझने के लिए टीम ने एक गणितीय मॉडल भी बनाया।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि पुरुषों को महिलाओं की तुलना में हाई ब्लड प्रेशर जल्दी हो जाता है, लेकिन पोटैशियम की मात्रा बढ़ाने पर पुरुषों को ज्यादा फायदा होता है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर में 30 प्रतिशत से अधिक वयस्क हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। हाई ब्लड प्रेशर दिल की बीमारी, स्ट्रोक (लकवे), किडनी की बीमारी, दिल की धड़कनों में गड़बड़ी और याददाश्त कम होने जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है।

राज काज

शिवराज मामा को मिलेगा बिहार का जिम्मा

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान में दो विभागों के केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को जल्द ही बिहार का प्रभार मिलने जा रहा है।अभी उनके पास झारखंड का प्रभार है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले उन्हें बिहार का प्रभारी बनाया जा सकता है। उनकी गतिविधियां बिहार में बढ़ गई हैं। शिवराज मामा की चर्चा इन दिनों बड़े पैमाने पर हो रही है। उनका नाम भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भी चल रहा है। बिहार में गैर यादव पिछड़े समाज को एकजुट करने की जिम्मेदारी भाजपा शिवराज को देने जा रही है। ऐसी चर्चा दिल्ली के राजनीतिक हल्कों में है।

तमिलनाडु में पिता-पुत्र के बीच विवाद

भारत की राजनीति में चाचा-भतीजे, भाई-बहन भाइयों के बीच तरह-तरह के विवाद देखने को मिलते हैं। तमिलनाडु में पट्टाली मक्क ल काटची (पीएमके) के संस्थापक रामदास और उनके बेटे अंबुमणि रामदास के बीच में इन दिनों घमासान छिड़ा हुआ है। बाप बेटे के बीच राजनीतिक विचारधारा और संगठन को लेकर बड़े मतभेद हैं।पीएमके बनियार जाति की पार्टी है। इसके चार विधायक हैं। राज्य में यह पार्टी अभी एनडीए के साथ है।इसके पहले मनमोहन सरकार में अम्बुमणि रामदोस मंत्री रह चुके हैं। इनके पिता 87 साल के हो चुके हैं। इन्होंने अम्बुमणि को पार्टी के पदों से हटा दिया था। स्वयं पार्टी के अध्यक्ष बन गए थे। उसके बाद से दोनों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। पिता अन्ना डीएमके और केंद्र सरकार के साथ बने रहना चाहते हैं। वही अंबुमणि डीएमके और इंडिया गठबंधन के साथ रहना चाहते हैं।इसको लेकर बाप बेटे में ठन गई है।

हास-परिहास

सप्ताह की प्रमुख ख़बरों पर व्यंग्यकार की चुटकी

ओम वर्मा

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक़्फ़ क़ानून के ख़िलाफ़ हिंसा जारी। नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर कोलकाता हाईकोर्ट ने सशस्त्र पुलिस बल तैनात करने का आदेश दिया।

हिंदू या मुस्लिम करें, मरता हिंदुस्तान।
ममता मिलनी चाहिए, सबको एक समान॥

पीएनबी के 13500 करोड़ रु. के घोटाले के मास्टरमाइंड और भगोड़े मेहुल चौकसी को बेल्जियम पुलिस ने गिरफ़्तार किया। उसे भारत लाने की तैयारी शुरू।

माल्या, मेहुल चौकसी, खेल चुके सब दाँव।
तय है फँसना जाल में, अब दोनों के पाँव॥

रॉबर्ट वाड्रा पर 7.5 करोड़ रु. की ज़मीन ख़रीदकर 58 करोड़ रु. में बेचने के मामले में ईडी की पूछताछ। गुरुग्राम के शिकोहपुर में ज़मीन घोटाले में जाँच जारी। बीकानेर में 75 लाख की ज़मीन को पाँच करोड़ में बेचा।

लाखों में क्यों बेच दी, ले कौड़ी के मोल।
हर सौदे में दिख रहे, बड़े बड़े कुछ झोल॥

पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान की गले की नस करार दिया जिसे भारत ने अस्वीकार करते हुए याद दिलाया कि गुलाम कश्मीर भारत के केंद्र शासित प्रदेश का ही हिस्सा है।

पाक बसाने का अगर, कलमा था बुनियाद।
बंगभूमि कैसे हुई, फिर तुमसे आज़ाद॥

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा- सुपर संसद बनने की कोशिश न करे न्यायपालिका। उन्होंने राष्ट्रपति की शक्तियों में सुप्रीमकोर्ट के हस्तक्षेप पर गहरा क्षोभ जताया।

न्यायालय-सरकार में, उचित नहीं टकराव।
दोनों के नाविक अलग, अलग अलग है नाव॥

व्यंग्य

सकारात्मक दृष्टिकोण

अविनाश वाचस्पति

एक प्रसिद्ध चुटकुला है कि एक डॉक्टर ने एक गिलास दारू में एक कीड़ा डाला और थोड़ी ही देर में कीड़े के मर गया तो डॉक्टर ने अपने मरीजों से जानना चाहा कि इससे क्या सीख मिली? सभी मरीज एक स्वर में बोले कि डॉक्टर साहब, दारू पीना अच्छी बात है, इससे पेट के सारे कीड़े मर जाते हैं। इसका एक और आशय यह भी निकला कि कीड़े मरते हैं तो दारू अच्छी क्वालिटी की है। बस हर वस्तु को देखने का नजरिया सकारात्मक होना चाहिए। खूबियों की कमी नहीं है। हर खराब से खराब वस्तु में भी गुण देखने ढूंढने की क्षमता का विकास कर लो, समूची दुनिया खुशनुमा हो जाएगी।

कीड़े हैं तो सब्जी अच्छी है! एकदम ताजा खबर है, बासी गन्ने के ताजा रस से भी। कारण यह है कि कीड़े जिंदा हैं तो इन्हें मारने वाले कीटनाशक ने असर नहीं किया होगा। बेअसर रहने के दो कारण हो सकते हैं, पहला वे मिलावटी रहे होंगे, दूसरा कीड़ों तक नहीं पहुँचे होंगे। दोनों ही स्थितियों में फायदा इंसान का ही है। मिलावटी जहर का असर कीड़ों पर ही नहीं हुआ तो इंसान पर कैसे होगा?

कीटनाशक मिलावटी नहीं रहे होंगे तो अवश्य ही वो उन कीड़ों तक नहीं पहुँचे होंगे, जो सब्ज़ियों और फलों में ज़्यादा रह गये। नतीजतन, जब कीड़े ही नहीं मरे तो इंसान क्यों कर मरेगा? इसलिए उन सब्ज़ियों और फलों को ढूंढ ढूंढ कर खाना चाहिए, जिनमें ज़्यादा कीड़े हों। उन कीड़ों को ज़्यादा ही रहने दो, इस सद्भावना के साथ कि वे दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि को प्राप्त हों। कीड़ों के ज़्यादा रहने में ही इंसान की स्वस्थता छिपी हुई है। कीड़े के द्वारा खाई गई सब्जी खराब हो जाती है परन्तु उतनी नहीं जितनी कीटनाशक के ज़हरीले असर से। उस खराब हिस्से को काटकर बाकी का सेवन किया जा सकता है क्यों कि वो बढ़िया होता है।

इस नई खोज से दवा निर्माताओं, विक्रेताओं और डॉक्टरों का भारी नुकसान होगा। व्यावसायिक नज़रिये वाले अस्पतालों को हानि होगी। जिनके यहां सिर्फ पेट दर्द से पीड़ित मरीजों के भी दिल और दिमाग की चीरफाड़ कर चांदी काटी जाती रही है। कीटनाशक पेन्क्रियाज को भी नुकसान पहुँचाते हैं जिससे डायबिटीज जैसा जानलेवा रोग पनपता है और जीभ से तथा जीवन से मिठास गायब कर देता है। खून में चीनी की जाँच कर करके कितने ही रक्त जाँच केन्द्र पनप गए?

हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति में वनस्पति को भी नुकसान पहुँचाने की प्रवृत्ति नहीं है। जीवहत्या तो दूर की बात है, किसी को हानि पहुंचाने से पहले भी हम लोग कई बार सोचते हैं। वो अलग बात है कि अपवाद हरेक के होते हैं और अपवाद वो किसान हैं, जो ज्यादा खेती के लालच में, कीड़ों को जहर दे देते हैं। जबकि परोक्ष में वे खुद को, आदमीयत को जहर दे रहे होते हैं। इतना अगर वे समझ जाते तो किसान से इंसान नहीं बन जाते। जबकि आज किसान साबित होने की होड़ लगी हुई है। कवि अज्ञेय की एक प्रसिद्ध कविता की चंद पंक्तियाँ हैं, जिसमें उन्होंने जानना चाहा है कि - सांप तुम सभ्य तो नहीं हुए होगे, फिर कहां से सीखा डसना और विष कहाँ से पाया? आज कवि की उस जिज्ञासा का समाधान भी हो गया है कि जो कीटनाशक खेतों में डाला होगा, वो मिलावटी नहीं रहा होगा और साँपों तक भी पहुंच गया होगा। दूध जो साँपों ने पिया होगा, उन गायों-भैंसों ने कीटनाशक के ज़हरीले असर वाली वनस्पति खाई होगी, जिससे उसकी विषाक्तता दूध में घुलकर साँप को ज़हरीला बना गई होगी। इंसान की तो क्या बिसात है ? तो कीड़ों को अपना दुश्मन नहीं, मित्र मानिए। आखिर सृष्टि रचयिता ने किसी न किसी नेक कारण से ही हर जीव को उत्पन्न किया है। बस जानने भर का फेर है। इसके लिए सकारात्मक दृष्टिकोण की जरूरत है। कीड़ों को मित्र मानने से इसकी शुरुआत हो चुकी है। हमें इसे आगे बढ़ाना है।

फोटो ऑफ द डे

जिम्बाब्वे में स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति इमरसन मनानगावा सैन्य वाहन में नजर आये। (फोटो-ईएमएस)

चिंतन-मनन

भौतिकवाद से उपजी दुर्गति

ऊंचा महल खड़ा करने के लिए किसी दूसरी जगह गड्ढे बनाने पड़ते हैं। मिट्टी, पत्थर, चूना आदि जमीन को खोदकर ही निकाला जाता है। एक जगह टीला बनता है तो दूसरी जगह खाई बनती है। संसार में दरिद्रों, अशिक्षितों, दुःखियों, पिछड़ों की विपुल संख्या देखते हुए विचार उठता है कि उत्पादित सम्पदा यदि सभी में बंट गई होती तो सभी लगभग समान स्तर का जीवन जी रहे होते।

अभाव एक ही कारण उत्पन्न हुआ है कि कुछ लोगों ने अधिक बटोरने की विज्ञान एवं प्रत्यक्षवाद की विनिर्मित मान्यता के अनुरूप यह उचित समझा है कि नीति, धर्म, कर्त्तव्य, शालीनता, समता, परमार्थ परायणता जैसे उन अनुबंधों को मानने से इंकार कर दिया जाए जो पिछली पीढ़ियों में आस्तिकता और धार्मिकता के आधार पर आवश्यक माने जाते थे। पशुओं को जब नीतिवान परोपकारी बनाने के लिए बाधित नहीं किया जा सका, तो बन्दर से मानव रूप में विकसित मनुष्य को यह किस आधार पर समझाया जा सके कि उसे उपार्जन तो करना चाहिए पर उसको उपभोग में ही समाप्त नहीं कर देना चाहिए। विज्ञान के साथ सज्ञान का समावेश यदि रह सका होता तो भौतिक और आत्मिक सिद्धान्तों पर आधारित प्रगति का लाभ हर किसी को समान रूप से मिलता पर किया क्या जाए? भौतिक विज्ञान जहां शक्ति व सुविधा प्रदान करता है, वहीं प्रत्यक्षवादी मान्यताएं नीति, धर्म, संयम, स्नेह, कर्त्तव्य आदि को झुठला देती हैं। ऐसी दशा में उद्दंडता अपनाए हुए समर्थ का दैत्य-दानव बन जाना स्वाभाविक है। औद्योगीकरण के नाम पर बने कारखानों ने संसार भर में वायु और जल प्रदूषण भर दिया है। ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग ने संसार का तापमान इतना बढ़ा दिया है कि हिम प्रदेश पिघल जाने पर समुद्रों में बाढ़ आने और ओजोन नाम से जाना जाने वाला पृथ्वी का कवच फट जाने पर ब्रह्माण्डीय किरणें धरती की समृद्धि को भूनकर रख सकती हैं।

स्वास्थ्य

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक हो सकता है मलेरिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। मलेरिया, जो मच्छरों से फैलने वाली एक गंभीर बीमारी है, गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से खतरनाक हो सकता है। यह बीमारी मां और बच्चे दोनों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है, यदि इसका इलाज समय पर न किया जाए। गर्भावस्था में शरीर की इम्यूनिटी कम होने के कारण मलेरिया के लक्षण जल्दी दिख सकते हैं और यह संक्रमण तेजी से फैल सकता है। मलेरिया के कारण गर्भवती महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनमें समय से पहले प्रसव, गर्भपात, बच्चेदानी में संक्रमण और खून की कमी जैसी परेशानियां शामिल हैं। इसके अलावा, अगर इलाज में देरी होती है तो यह जानलेवा भी हो सकता है। प्रेग्नेंसी के दौरान मलेरिया के लक्षणों में बार-बार बुखार आना, ठंड लगना, सिरदर्द, उल्टी या जी मिचलाना, कमजोरी और थकान, शरीर में दर्द और कभी-कभी पीली त्वचा जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं।

76 हज यात्रियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण

नर्मदापुरम, ईएमएस। मध्यप्रदेश राज्य 2025 के हज में नर्मदापुरम जिले से जाने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य जांच के लिए जिला हज कमेटी द्वारा 19 अप्रैल शनिवार को मदरसा सिद्दीकिया मालाखेड़ी में शिविर लगाया गया।

सीहोर क्लब ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-1 से हराया

सीहोर, ईएमएस। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। वहीं 85 दिवसीय निशुल्क फुटबाल प्रशिक्षण भी किया जा रहा है। शनिवार को प्रतियोगिता के अंतर्गत हुए एक रोमांचक मैच में सीहोर क्लब ने 2-1 से शानदार जीत हासिल की। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया आदि शामिल थे।

फटाफट खबरें

आचार्य 108 मुनि श्री विनिश्चय सागर जी महाराज ससंघ का हुआ मंगल प्रवेश

सीहोर, ईएमएस। दिगंबर जैन संत आचार्य 108 मुनि श्री विनिश्चय सागर जी महाराज ससंघ जिसमें 7 मुनिराज एवं 2 आर्यिका माता जी के संघ का आज को प्रातः 8 बजे चाणक्यपुरी से मंगल प्रवेश हुआ। श्रावक श्राविकाएं भक्ति भाव से भव्य विशाल अगवानी के पावन अवसर पर श्रद्धालु पद प्रक्षालन कर आरती पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर ससंघ को शोभायात्रा के साथ नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्रीं पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर स्थित छावनी पहुंचें जहां आचार्य श्री ससंघ ने भगवान के दर्शन आराधना कर धर्म सभा में आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आशीष वचन में दिये। तत्पश्चात संत श्री आहार चर्या विधी विधान से श्रावक श्राविकाएं संपन्न हुई। नवीन संतभवन में दोपहर में स्वाध्याय धार्मिक शिक्षण कक्षा में श्रद्धालु ज्ञानार्जन कर पुण्य लाभ अर्जित किए।

मंगल बिहार : आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी मुनि श्री ससंघ का मंगल बिहार संध्या पूर्व आष्टा की और हुआ। रात्रि विश्राम ग्राम नापला खेड़ी होगा प्रातः श्री आदि धाम तीर्थ स्थल अमलाह में आहार चर्या विधी विधान से संपन्न होगी।

टमस नदी को बरगी नहर से जोड़ने की मांग

मैहर, ईएमएस। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने टमस नदी उद्गम स्थल झुकेही में जाकर उद्गम स्थल पर पूजा अर्चना की जो सराहनीय है। किन्तु टमस नदी के अविरल अस्तित्व को बचाने हेतु वरिष्ठ समाजसेवी रमापति गौतम ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री से मांग की है कि टमस नदी को बरगी नहर से जोड़ा जाए। ऐसा करने से पंचायत मंत्री के टमस को अविरल बनाने का संकल्प जरूर पूरा होगा। इस संबंध में प्रभारी मंत्री, सांसद एवं मैहर विधायक से भी मांग की गई है।

▸ किसान कांग्रेस का आरोप डीएपी खाद वितरण में हो रहा भ्रष्टाचार

गोदाम से खाद के दो हजार कट्टे गायब, किसानों ने की एफआईआर की मांग

अशोकनगर, ईएमएस।

डीएपी खाद वितरण में गड़बड़ियों का मामला गरमाता जा रहा है। जिसे लेकर किसान कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए संबंधित अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। दरअसल, बीती 15 अप्रैल को जिले को 750 मेट्रिक टन (करीब 15 हजार कट्टे) डीएपी खाद उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन अगले ही दिन 16 अप्रैल को 1020 टोकन जारी होने के बावजूद केवल 500 टोकन धारकों को औसतन 6 कट्टे के हिसाब से खाद वितरित की गई, जिससे करीब 3000 कट्टे का वितरण हुआ। 17 अप्रैल को जब वितरण में देरी हुई और किसानों को खाद नहीं मिल पाया, तो कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष (नपा) रितेश आजाद मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से जवाब-तलब किया। जानकारी सामने आई कि 16 अप्रैल के 520 टोकन शेष थे और 206 नए टोकन जारी किए गए थे, परंतु मौके पर मात्र 1485 कट्टे शेष बताए गए। जिससे करीब 2000 कट्टों की गड़बड़ी सामने आई। एसडीएम के मौके पर पहुंचने के बाद कृषि विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की चेतावनी दी गई। बाद में किसानों को प्रति टोकन 3-3 कट्टे वितरित किए गए, और यह भी बताया गया कि शेष खाद मुंगावली और पिपरई भेज दी गई है।

बाद में निजी गोदाम से भी खाद वितरण किया गया। जिसे लेकर किसान कांग्रेस द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष सुखभान यादव के नेतृत्व में शनिवार को प्रदर्शन किया गया। किसानों का आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर खाद की कालाबाजारी हुई है, और अधिकारियों ने किसानों व जनप्रतिनिधियों से जानकारी छिपाई है। खासकर एसएडीओ पर पहले भी ऐसे आरोप लग चुके हैं और वे पिछले 35 वर्षों से यहीं पदस्थ हैं। सुखभान यादव ने प्रशासन से मांग की है कि इस रैक द्वारा आई खाद की सार्वजनिक रूप से जानकारी दी जाए और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो किसान कांग्रेस आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

बाइक से शाढ़ौरा जा रहे दंपति को डंपर ने मारी टक्कर, पत्नि की मौत पति घायल

अशोकनगर, ईएमएस। जिले के शाढौरा थाना क्षेत्र के मथनेर गांव के पास बंजरिया रोड पर शनिवार सुबह एक डंपर (एमपी33 एच1537) ने बाइक सवार दंपती को टक्क र मार दी। हादसे में 40 वर्षीय बती बाई अहिरवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति परमाल सिंह अहिरवार बाल-बाल बच गए। घटना उस समय हुई जब दंपति अपने घर मदागन से शाढौरा की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद डंपर मौके पर ही रुक गया और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शाढौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों का होगा चुनाव, मोबाइल ऐप से होगी वोटिंग

अशोकनगर, ईएमएस। मध्यप्रदेश में पहली बार युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों के लिए चुनाव आयोजित किए जाएंगे। यह चुनाव पूरी तरह डिजिटल होंगे और मतदान आईवायसी मोबाइल ऐप के माध्यम से कराया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया 27 अप्रैल से 6 मई तक चलेगी, जबकि सदस्यता अभियान 11 मई से आरंभ होगा। जैसे ही कोई युवा सदस्य बनेगा, उसे मतदान का अधिकार प्राप्त हो जाएगा। इस संदर्भ में अशोकनगर के रघुवंशी धर्मशाला में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक नरेंद्र शर्मा ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि युवा कांग्रेस का यह मेगा सदस्यता अभियान 27 अप्रैल से शुरू होकर एक से डेढ़ महीने तक चलेगा और इसे पूरे प्रदेश में व्यापक रूप से चलाया जाएगा। नरेंद्र शर्मा ने कहा कि इस अभियान में 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के वे सभी युवा शामिल हो सकते हैं, जो कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। इस अभियान के तहत प्रदेश, जिला, विधानसभा और ब्लॉक स्तर तक के पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। कार्यक्रम में जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विशाल सिंह रघुवंशी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बंगाल हिंसा के विरोध में विहिप का प्रदर्शन

राष्ट्रपति शासन और एनआईए जांच की मांग, सौंपा ज्ञापन

अशोकनगर, ईएमएस।

शनिवार को विश्व हिंदू परिषद ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पर धरना देकर प्रदर्शन किया। संगठन ने पश्चिम बंगाल में हो रही सांप्रदायिक हिंसा को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की।

विहिप ने बताया कि मुर्शिदाबाद से शुरू हुई हिंसा अब पूरे राज्य में फैल चुकी है। 11 अप्रैल को वक्फ कानून के विरोध के नाम पर हुई हिंसा में कई हिंदुओं के घर और दुकानें जला दी गईं। तीन लोगों की हत्या की गई और महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हुईं। इस हिंसा के कारण 500 से ज्यादा हिंदू परिवारों को पलायन करना पड़ा। संगठन का आरोप है कि राज्य का शासन तंत्र या तो निष्क्रिय है या हिंसा को प्रोत्साहित कर रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पीड़ितों की मदद करने की बजाय उन इमामों से मिल रही हैं जो हिंसा भड़का रहे हैं। सरकार शरणार्थियों को जिहादी ताकतों के सामने वापस भेजने का प्रयास कर रही है।

विहिप ने राज्य में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। उनका कहना है कि सरकार की मदद से इन घुसपैठियों के दस्तावेज बनाए जा रहे हैं। संगठन ने कई मांगें रखी हैं। इनमें राज्य में तत्काल राष्ट्रपति शासन लागू करना, हिंसा की हद्ध जांच कराना और कानून व्यवस्था केंद्रीय सुरक्षा बलों को सौंपना शामिल है। साथ ही घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निकालने और भारत-बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी की मांग की गई है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जंक फूड विक्रेताओं की गई जांच

अशोकनगर, ईएमएस। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा गुरूवार को मुंगावली तथा पिपरई मे स्ट्रीट फूड कार्नर तथा किराना दुकानों एवं होटलों पर जांच कार्यवाही की गयी। निरीक्षण के दौरान विकास किराना, पिपरई से गरम मसाला, पोहा, नमकीन, मामा होटल, मुंगावली से लस्सी, कचैडी तथा गुझिया का नमूना जांच हेतु लिया गया।

पुलिस थाने के पास, पिपरई में संचालित किये जा रहे फल तथा सब्जियों की दुकानों का खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा निरीक्षण किया गया तथा उन्हे खाद्य पंजीयन लिये जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं ईमली चैराहा, मुंगावली के चाट, फुल्की, गन्नें का रस, फास्ट फूड तथा फल सब्जी की दुकानों का निरीक्षण कर उन्हे भी खाद्य पंजीयन लिये जाने हेतु निर्देश जारी किये गये, निर्देशो का पालन नहीं किये जाने पर उनके विरूद्ध अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा सभी चाट, फुल्की तथा फास्ट फूड विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि उनके द्वारा तैयार एवं बेचे जा रहे भोज्य पदार्थों में अजीनोमोटो, अखाद्य रंग का प्रयोग नहीं किया जावे, खाद्य पदार्थों को ढंक कर रखने, एवं खाद्य तेल को बारबार गरम करके दोबारा उपयोग में न लाने हेतु बोला गया। एप्रन, ग्लव्य तथा हेडकवर का उपयोग किये जाने हेतु तथा नाखूनों की नियमित रूप से साफ-सफाई किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

गन्ने के रस का विक्रय करने वाले विक्रेताओं को गन्ने का छीलकर ही उस का रस निकाले हेतु निर्देश जारी किये तथा मनीष कुशवाह से गन्ने के रस का नमूना जांच हेतु लिया गया। सभी नमूने जांच हेतु शासन द्वारा अधिकृत प्रयोग शाला में भेजे गये है, जांच उपरांत प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि एफएसएसएआई के द्वारा हाकर्स को खाद्य पंजीयन शुल्क से मुक्त रखा गया है, तो सभी ऐसे विक्रेता जो कि हाकर्स अथवा चलते फिरते खाद्य कारोबार कर्ताओं की श्रेणी में आते है।

ताप्ती नदी के जल स्तर में गिरावट खेती-किसानी के लिए खतरा

बुरहानपुर, ईएमएस। जिले से होकर बहने वाली ताप्ती नदी क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाती है। सिंचाई कार्य के लिए इसका उपयोग होता है हाल के दिनों में ताप्ती नदी का जलस्तर चिंताजनक रूप से घटता जा रहा है। इसका सीधा असर स्थानीय कृषि पर पड़ता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों और किसानों के अनुसार, सिंचाई विभाग द्वारा जल संरक्षण या पानी को रोकने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। नतीजतन, नदी के जलस्तर में निरंतर गिरावट हो रही है, जिससे क्षेत्र के कुएं, बावड़ियाँ और अन्य जल स्रोत भी सूखने की कगार पर हैं। इससे आगामी खरीफ फसल की बुवाई पर खतरा मंडराने लगा है। क्षेत्रीय किसान पहले ही बदलते मौसम और वर्षा की अनिश्चितता से जूझ रहे हैं। अब जलस्रोतों के सूखने से उनकी समस्याएँ और अधिक बढ़ गई हैं। यदि जल्द ही उचित कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में बुरहानपुर क्षेत्र को जल संकट और कृषि उत्पादन में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में जब बुरहानपुर जिला जल अभाव ग्रस्त घोषित हो चुका है ऐसे में इस की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और सिंचाई विभाग को चाहिए कि वे नदी में जल प्रवाह बनाए रखने हेतु उचित उपाय करें। ताप्ती नदी का संरक्षण ही क्षेत्र की समृद्धि की कुंजी माना जाता है क्योंकि वर्तमान में नगर निगम के द्वारा पेय जल को लेकर इस नदी के माध्यम से जल आवर्धन योजना प्रारंभ की गई है जो आगामी दिनो में शहर के लिए पेय जल उपलब्ध कराने का साधन भी होगी।

प्रभारी मंत्री ने गेल व एनएफएल अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, औद्योगिक विकास के लिए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गुना, ईएमएस।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत द्वारा आज जिला मुख्यालय पर गेल एवं एनएफएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरविंद धाकड़, कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल, एसडीएम राघौगढ़ श्री विकास आनंद सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं एक?जीक?यूटिव डायरेक?टर गेल श्री आरके सिंह, डीजीएम एचआर श्री विष?णुप्रसाद सेनापति, सीजीएम श्री व?ही.के. गुप?ता, सीजीएम (ओ एंड एम) श्री राकेश गंडोत्रा, डीजीएम एचआर श्री डी.एस. तोमर सहित संबंधित कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में गेल के कार्यकारी निदेशक (ED) द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में जिले में गैस पाइपलाइन परियोजना पर कार्य प्रगति पर है तथा आगामी समय में सौर ऊर्जा परियोजना के क्रियान्वयन की योजना भी बनाई जा रही है। वहीं एनएफएल के प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि संयंत्र में दो बड़े यूरिया उत्पादन इकाइयां कार्यरत हैं तथा एक अतिरिक्त यूनिट स्थापित करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मंत्री श्री राजपूत ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र में औद्योगिक विकास के लिए तीन बुनियादी आवश्यकताएं होती हैं - हवाई कनेक्टिविटी, सड़कों की गुणवत्ता एवं प्रभावी कानून व्यवस्था। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश इन तीनों आवश्यकताओं को पूर्ण करता है, जिससे यह राज्य औद्योगिक निवेश के लिए उपयुक्त गंतव्य बनता है।

बैठक के समापन पर नारायणपुर राधौगढ़ स्थित कृषक सहकारी शक्कर कारखाने के पुनः संचालन के संबंध में विभिन्न संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री जी ने बताया कि इस कारखाने के पुनः शुरू होने से लगभग 7000 कृषकों को सीधे लाभ पहुंचेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही, इससे जिले को राज्य के औद्योगिक मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान प्राप्त होगी।

कांग्रेस जिला समन्वय समिति की बैठक में संगठन को लेकर बनीं रणनीति

मैहर, ईएमएस। जिला कांग्रेस कमेटी की समन्वय समिति की अहम बैठक शनिवार को जेपी भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला प्रभारी गुरमीत सिंह मंगू एवं अमरपाटन विधायक राजेंद्र सिंह, सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा एवं सह प्रभारी अजीत सिंह विशेष रूप से बैठक में मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने की।

बैठक में पुष्पराज सिंह, अरुण तनय मिश्रा, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी, अमदरा अध्यक्ष अमजद भाई एवं ब्लॉक अध्यक्ष नादन रामभद्र पान्डेय सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। इस दौरान संगठन कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय हेतु सहज मिलन कार्यक्रम पर विचार हुआ। आम जनमानस को हो रही परेशानियों और वर्तमान समय में लोकतंत्र पर हो रहे प्रहार पर संरक्षण हेतु हर समय कांग्रेसजन तैयार रहें इस पर भी मंथन हुआ। देश और प्रदेश के निर्देशन पर हुए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और संगठन विस्तार पर भी गहन चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने पाटज़ सिद्धांत संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने अपने सुझाव दिए। जिला अध्यक्ष धर्मेश घई ने सभी सुझावों का स्वागत करते हुए उन्हें अमल में लाने की बात कही। वहीं प्रभारी गुरमीत सिंह मंगू ने संगठनात्मक गति को तेज करने और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक सौहार्द पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और पाटज़ के आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए सभी पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाने कि अपील की गई।

नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म होती है : डीडीए राजपूत

खरगोन, ईएमएस। किसान खेतों में फसल अवशेषों को न जलाएं, बल्कि उसे खेत में ही मिट्टी पलटने वाले हल से या रोटावेटर से मिलाएं। जिससे खेत की उपजाऊ क्षमता में वृद्धि होगी। फसल कटाई के बाद बचे फसल अवशेषों में आग लगाने से पर्यावरण गंभीर रूप से प्रभावित होता है। यह बात जिला उप संचालक कृषि एसएस राजपूत ने बड़वाह जनपद पंचायत सभागृह कक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में कही।

उन्होंने कहा फसल अवशेषों को जलाने से भूमि में होने वाली रासायनिक क्रियाएं भी प्रभावित होती हैं, जैसे कार्बन व नाइट्रोजन एवं कार्बन और फास्फोरस का अनुपात बिगड़ जाता है, जिससे पौधों को पोषक तत्व ग्रहण करने में कठिनाई होती है। फसल अवशेषों को जलाने पर दो एकड़ से कम पर 2500 रुपए, दो एकड़ से अधिक व 5 एकड़ से कम पर 5 हजार रुपए तथा 5 एकड़ से अधिक पर 15 हजार रुपए की दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। किसानों के खेतों में सेटेलाइट मैपिंग के माध्यम से की जा रही निगरानी एसडीएम सत्यनारायण दर्रा ने बैठक में उपस्थित अमले को निर्देश दिये की नरवाई ना जलाने के संबंध में ग्रामों में अधिक से अधिक दल के द्वारा प्रचार-प्रसार करें। नरवाई जलाने की जानकारी प्राप्त होने पर दल के द्वारा 24 घण्टे के अन्दर मय विडियो, फोटो सहित पंचनामा बनाकर वरिष्ठ अधिकारी को प्रेषित करे।

समस्त जगत का कल्याण हो और धरती पर वैदिक संस्कृति सदैव जीवंत रहे : पंडित प्रदीप मिश्रा

सीहोर, ईएमएस। भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठवें अवतार हैं। उनका मानना था कि समस्त जगत का कल्याण हो और धरती पर वैदिक संस्कृति सदैव जीवंत रहे। उन्होंने सम्पूर्ण जीवन काल में माता-पिता की सेवा के साथ ही सदैव अन्याय एवं अत्याचार के समूल नाश के लिए सर्वस्व न्योछावर कर कीर्तिमान स्थापित कर प्रेरणा देने का काम किया।

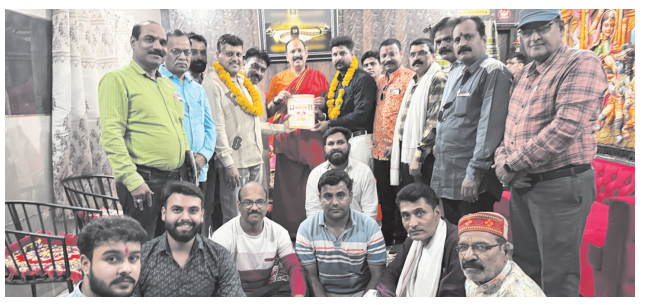

ये विचार जिला मुख्यालय के पास चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर व कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में सर्व ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि मंडल से भेंट करते हुए कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कही। इस मौके पर सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दीपक शर्मा सहित अन्य ने आगामी दिनों में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की। भेंट करने के दौरान समाजजनों ने पंडित मिश्रा को बताया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अंतर्गत पांच दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समाजजनों की ओर से सभी कथाकारों और समाजजनों को करीब 25 सौ से ज्यादा निमंत्रण कार्ड का वितरण किया जाएगा।

30 अप्रैल को पूजा अर्चना-04 मई को निकाला जाएगा भव्य चल समारोह : सर्व ब्राह्मण समाज के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि 30 अप्रैल को सुबह भगवान परशुराम की पूजा अर्चना की जाएगी, अभिषेक किया जाएगा और उसके बाद आरती की जाएगी। इसके अलावा महिला मंडल के ओर से कलश पूजन, थाली सजावट सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं आगामी 4 मई को शाम चार बजे विशाल चल समारोह निकाला जाएगा।

▸ 33 केव्ही के विद्युत सबस्टेशन से रोशन होंगे पगरानी क्षेत्र के डेढ़ दर्जन गांव

पगरानी क्षेत्र के किसानों को विधायक उमाकांत शर्मा ने प्रदान किया तीन करोड़ की लागत का विद्युत सबस्टेशन

सिरोंज, ईएमएस।

पगरानी क्षेत्र के करीब डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों के किसानों को अब खेती के लिए बोल्टेज के साथ पर्याप्त बिजली आपूर्ति एवं चौबीस घंटे घरेलू बिजली का भरपूर लाभ मिल सकेगा। शनिवार दोपहर को विधायक उमाकांत शर्मा ने ग्राम पगरानी में महुआखेड़ा मार्ग पर करीब तीन करोड़ सोलह लाख चालीस हजार की लागत से बनकर तैयार हुए 33/11 केव्ही के विद्युत सब स्टेशन का लोकार्पण करते हुए क्षेत्र की जनता को समर्पित किया।

सबस्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि विधान सभा चुनाव के पहले हमने इस सब स्टेशन की नींव रखी थी। इसके अलावा

सिरोंज लटेरी विधानसभा में पांच अन्य सबस्टेशन बनाने का काम चल रहा है। जिसमें से गरेथा सबस्टेशन से बिजली देने का काम पूर्व में शुरू हो चुका है। देश में ओर मध्यप्रदेश में केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही हैं जो गांव गरीब किसान के समग्र विकास को लेकर काम करती हैं। आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए प्रयत्नशील है। हमने सिरोंज लटेरी क्षेत्र को स्वर्णिम बनाने का लक्ष्य लिया है इस दिशा में हम लगातार काम कर रहें हैं। पगरानी में 33 केव्ही के विद्युत सब स्टेशन बन जाने से इस क्षेत्र के अठारह से अधिक गांवों के किसान और निवास करने वाली ग्रामीण जनता को पर्याप्त बोल्टेज के साथ आए दिन होने वाली बिजली संबंधी समस्याओं का स्थाई रूप से निराकरण हो सकेगा। इसके पूर्व बिजली विभाग के उपमहाप्रबंधक राजू भागौर ने सिरोंज लटेरी क्षेत्र में विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयासों से बिजली के क्षेत्र में किए जा रहे कामों की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने ग्राम पगरानी के प्राचीन तालाब में जल संवर्धन अभियान का शुभारंभ करते हुए तलब को संरक्षित एवं पशुओं के लिए वर्ष भर पेयजल की संरचना बनाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने तालाब पर घाट बनाने के लिए अपनी विधायक निधि से पांच लाख रु देने की घोषणा भी की।

नुक्कड नाटक से दिया जल बचाओ का संदेश, पानी बचाने की दिलाई शपथ

खरगोन, ईएमएस। प्रधान मंत्री किसान सिंचाई योजना अंतर्गत वाटर शेड यात्रा अभियान के तहत भगवानपुरा में वाटरशेड महोत्सव मनाया गया। यहां भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती नन्दा बाह्मणे ने कहा कि नल जल योजना के तहत घर-घर में पानी पहुंचाने का काम केंद्र और राज्य सरकार कर रही है। अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। किसानों के हित में सरकार निरंतर काम कर रही हैं, ऐसे में हमें भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए पानी की व्यर्थ बर्बादी रोकना होगी। जिलाध्यक्ष एवं उपस्थित मुख्य अतिथि विधायक केदार सिंह डावर, विशेष अतिथि बापूसिंह परिहार, महेंद्र किराड़े, विजय पटेल, चंदर सिंह वास्कले, रूपेश मालवीय आदि ने पानी बचाने की शपथ दिलाई। भोपाल से आए दल ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल बचाओ अभियान का संदेश देकर सभी को जागरूक किया गया।

हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक मखदूम शाह बाबा का 152वां उर्स 27 से 29 अप्रैल तक मनाया जाएगा

चंदेरी (ईएमएस)। हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत मखदूम शाह बाबा का 152 वां उर्स 27अप्रैल से 29अप्रैल 2025 तक मनाया जाएगा। उर्स कमेटी के अध्यक्ष सैयद शाह नवाज हाशमी ने जानकारी देते हुए बताया कि मखदूम शाह बाबा का उर्स 27 अप्रैल 2025 से 29 अप्रैल 2025 तक मनाया जाएगा मखदूम शाह बाबा के उर्स में चंदेरी के अलावा गुना शिवपुरी झांसी भोपाल टीकमगढ़ अशोकनगर मुंगावली विदिशा सागर ललितपुर तथा आसपास के जिलों से हजारों की संख्या में सभी धर्मों के लोग पहुंचकर अकीदत के फूल पेश कर कौमी एकता की मिसाल कायम करते हैं।

मखदूम शाह बाबा का उर्स 27 से 29 मार्च तक मनाया जाता था लेकिन पिछले तीन बार से मार्च माह में रमजान का पवित्र महीना होने पर उर्स की तारीख को आगे बढ़ाया गया इस बार हजरत मखदूम शाह बाबा का 152 वां उर्स 27 अप्रैल 2025 से 29 अप्रैल 2025 तक मनाया जाएगा 27 अप्रैल 2025को मीलाद शरीफ एवं कुरान खानी तथा रात्रि में स्थानीय उलमा इकराम व हाफिजे कुरआन के प्रवचन होंगे तथा नातिया मुशायरा होगा तथा सभी की भलाई तरक्की एवं खुशहाली तथा भारत देश की तरक्की के लिए दुआ की जाएगी ! 28 अप्रैल 2025सोमवार को रात्रि में सुप्रसिद्ध शाकिब अली साबरी कव्वाल एवं शब्बीर सदाकत कव्वाल के बीच शानदार कव्वाली मुकाबला होगा जिसमें हम्द नात मन्क़बत के अलावा देश भक्ति पर आधारित कव्वाली प्रस्तुत की जाएगी ! 29 अप्रैल 2025 मंगलवार की रात्रि में सुप्रसिद्ध अनीस नवाब कव्वाल अहमदाबाद गुजरात एवं कमर वारसी कव्वाल लखनऊ उत्तर प्रदेश के बीच शानदार कव्वाली मुकाबला होगा जिसमें धार्मिक कव्वाली हम्द नात के अलावा राष्ट्रीय एकता देशभक्ति पर आधारित कव्वालियों की प्रस्तुति दी जाएगी !

29 अप्रैल को पेश होगी अमन की चादर : हर साल की तरह इस साल भी उर्स के आखिरी दिन रात्रि 9ः00 बजे हजरत मखदूम शाह बाबा के दरबार में अमन की चादर पेश की जाएगी जिसमें बड़ी संख्या में सभी धर्मों के अकीदत मन्द श्रद्धालु उपस्थित होते हैं इस मौके पर देश में आपसी मेल मिलाप एवं भाईचारा कायम रहने तथा भारत देश की तरक्की खुशहाली की विशेष प्रार्थना (दुआ) की जाएगी।

मुंबई एयरपोर्ट नौ मई को छह घंटे बंद रहेगा

मुंबई (ईएमएस)। शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर उड़ान संचालन मानसून की शुरुआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण नौ मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह भी कहा कि सभी हितधारकों को सूचित करने के लिए अनिवार्य नोटम (एयरमैन को नोटिस) छह महीने पहले जारी किया गया था।

जाइडस मेडटेक और ब्रेल बायोमेडिका के बीच करार

मुंबई (ईएमएस)। औषधि निर्माता बहुराष्ट्रीय कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जाइडस मेडटेक ने ब्राजील की अग्रणी हृदय उपकरण निर्माता ब्रेल बायोमेडिका के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (ओएवीआई) तकनीक का यूरोप, भारत और अन्य चुनिंदा बाजारों में विशेष रूप से व्यावसाय करेंगी।

फटाफट खबरें

डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप कर छूट के लिए पात्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के युवा उद्यमियों और स्टार्टअप चलाने वाले एन्टरप्रिन्योर के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए नए नियमों के अनुसार डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माने जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें निवेश पर भी लाभ मिलेगा और इसमें जांच के अधीन नहीं होगा। आयकर विभाग ने एक ट्वीट के माध्यम से यह सूचना जनता तक पहुंचाई, जिसमें उन्होंने दर्शाया कि मान्यता प्राप्त स्टार्टअप जो निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं, उन्हें आयकर अधिनियम, 1961 के तहत विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माना जाएगा। सरकार ने हाल ही में स्टार्टअप्स की परिभाषा में कई सुधार किए थे और उन्हें रियायत का लाभ उठाने की अनुमति भी दी थी। स्टार्टअप का मुख्य उद्देश्य होता है नए और इनोवेटिव आइडिया को व्यवसायिक रूप में सफलतापूर्वक उतारना। भारत में भी ऐसे कई स्टार्टअप्स हैं जो विदेशी निवेशकों से बड़ी फंडिंग प्राप्त कर रहे हैं। सरकार ने एंजेल टैक्स और कटौती को खत्म करके स्टार्टअप्स को और भी स्वार्थक परिवेश प्रदान किया है।

2000 से ज्यादा के यूपीआई पर जीएसटी नहीं लगाएगी सरकार: वित्त मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले वित्तवर्ष में यूपीआई ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड 260.56 लाख करोड़ रुपये पहुंचने के उत्साहजनक खबरों के बीच लोगों को जैसे ही पता चला कि सरकार 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर जीएसटी वसूलने की तैयारी कर रही है, सब निराश हो गए। सोशल मीडिया पर इसे लेकर यूजर्स की नाराजगी साफ दिखने लगी। बात इतनी बढ़ गई कि वित्त मंत्रालय को खुद आकर पूरी बात बतानी पड़ी।वित्त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी कर बताया कि 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। सोशल मीडिया में चल रही इस तरह की खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और बिना किसी आधार के वायरल हो रही हैं।

सेंसेक्स 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,553 पर बंद

सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी तेजी रही

■ मुंबई (ईएमएस)।

बीते सप्ताह अवकाश की वजह से कम दिन हुए कारोबार में घरेलू शेयर बाजार ने अपना दमखम बरकरार रखा और साप्ताहिक आधार पर बाजार फरवरी 2021 के बाद सबसे बढ़ी वीकली बढ़त लेकर बंद हुए। बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर दो फीसदी की तेजी देखी गई। सोमवार को भारतीय बाजार आंबेडकर जयंती के मौके पर और शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवसर पर बद रहे। इसलिए बाजार में केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ, जो इस प्रकार है- घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त तेजी देखी गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1,750.37 अंक उछलकर 76,907.63 अंक पर खुला और 1,577.63 अंक चढ़कर 76,734.89 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 539.8 अंक बढ़कर 23,368.35 अंक पर खुला और 509.91 अंक मजबूत होकर 23,338.45 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.3 अंक गिरकर 76,569.59 अंक पर खुला और 309.40 अंक चढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ। निफ्टी 51.55 अंक गिरकर 23,277 अंक पर खुला और 108.65 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 23,437.20 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट देखी गई। हालांकि, लाल निशान पर खुलने के थोड़ी देर बाद ही शेयर बाजार संभलने लगा और हरे निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 362 अंक गिरकर 76,682.29 अंक पर खुला और 1,508.91 अंक या 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,000 के स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह 78,553.20 पर बंद हुआ। निफ्टी 129.75 अंक गिरकर 23,307.45 अंक पर खुला और 414.45 अंक या 1.77 प्रतिशत बढ़कर 23,851.65 अंक पर बंद हुआ।

सोने की कीमत में रिकॉर्ड मुनाफावसूली से आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ष 2025 में एमसीएक्स गोल्ड की कीमत में 24.71 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद, हाल ही में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमतों में गिरावट अंकित की गई है। निवेशकों ने रिकॉर्ड ऊंचाई को छूकर मुनाफा वसूलते हुए सोना 10 ग्राम के 95,935 रुपये के ऑल-टाइम हाई से नीचे आ गया है। इसके साथ ही स्पॉट गोल्ड और यूएस फ्यूचर्स में भी गिरावट दर्ज की गई है। मध्य पूर्व और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, निवेशकों की मांग और गोल्ड ईटीएफ में बढ़त को ध्यान में रखते हुए, सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही थी। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अब सोने की कीमतें ज्यादा नहीं बढ़ेंगी, क्योंकि पूर्व से ही कीमतों में सभी अच्छी खबरें समाहित हैं।

भारतीय दवा कंपनियों की नजर 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार पर

साल 2034 तक अमेरिकी दवा बाजार 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय दवा कंपनियां 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी दवा बाजार हर साल 11 फीसदी चक्रवृद्धि दर के हिसाब से बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से कई भारतीय दवा कंपनियों को कैंसर की जेनेरिक दवाइयों के लिए अमेरिकी औषधि नियामक (यूएसएफडीए) से मंजूरी मिली है, जिससे अमेरिकी बाजार में जेनरिक और बायोसिमिलर दवाओं में प्रवेश लगातार बढ़ा है। साल 2024 में अमेरिकी कैंसर दवा बाजार का मूल्य 145.52 अरब डॉलर आंका गया था और साल 2034 तक इसके 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस लिहाज से देखा जाए तो साल 2025 से 2034 के बीच इसके सालाना 11.1 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है। जानकारों का मानना है कि सिप्ला, बायोकॉन बायोलॉजिक्स और जायडस लाइफसाइंसेज को मिली मंजूरी कैंसर उपचार के जटिल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की बढ़ती क्षमताओं और आकर्षक अमेरिकी बाजार में उनकी बढ़ती उपस्थिति की ओर इशारा करते हैं। भारतीय कंपनियां पिछले कुछ समय से जटिल जेनेरिक पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जो उन्हें अमेरिका में जेनेरिक क्षेत्र में मूल्य निर्धारण के दबाव से भी कहीं न कहीं बचाता है। इक्रा की उपाध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक महामारी के बाद से एफडीए प्रक्रिया सामान्य हो गई है और अब भारतीय कंपनियां कैंसर की दवाओं जैसे जटिल मॉलिक्यूल्स पर ध्यान दे रही हैं, क्योंकि बुनियादी जेनरिक श्रेणी अपने उच्चतम स्तर तक पहुंच गई है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने 10 अप्रैल को एवास्टिन के बायोसिमिलर जोबेवेन (बेवाकिजुमाब-एनयूजीडी) के लिए एफडीए मंजूरी मिलने की घोषणा की थी। इसका उपयोग कोलोरेक्टल, फेफड़े और ग्लियोब्लास्टोमा जैसे विभिन्न कैंसर के उपचार में किया जाता है। यह बायोकॉन का अमेरिका में स्वीकृत सातवां बायोसिमिलर है, इसके साथ ही इसके कैंसर की दवाओं के पोर्टफोलियो का विस्तार हुआ है। कंपनी अमेरिका, यूरोप और कनाडा में ओगिवरी और फुलफिला जैसे बायोसिमिलर भी बेचती है। सिप्ला ने एब्राक्सेन के अपने एबी-रेटेड-जेनरिक संस्करण के लिए अमेरिकी औषधि नियामक से मंजूरी हासिल कर ली। इसका उपयोग स्तन कैंसर, गैर स्मॉल सेल फेफड़ों के कैंसर और पैंक्रियाटिक कैंसर में उपयोग होता है और सिप्ला की यह दवा 2025-26 की पहली छमाही में अमेरिका में आ सकती है।

ट्रंप के टैरिफ से आंध्र प्रदेश के झींगा व्यवसायी मायूस

मुंबई (ईएमएस)। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जब से जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की तो देश भर के झींगा प्रेमी सबसे अधिक मायूस हो गए। अमेरिका से करीब 13,000 किलोमीटर अधिक दूर आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के लक्ष्मीपुरम-पल्लीपलेम क्षेत्र के हरेभरे इलाके में एक बुजुर्ग झींगा किसान ने जवाबी शुल्क के बारे में कभी नहीं सुना था। लेकिन अब वह तेलुगु, टूटी-फूटी अंग्रेजी और हिंदी की मिलीजुली भाषा में ट्रंप शुल्क के प्रभाव को साफ तौर पर बता पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रंप मेरे झींगा कारोबार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनके जैसे तमाम झींगा किसानों को हाल के वर्षों में वायरस की मार झेलनी पड़ी थी। अब उन्हें अमेरिका में उच्च शुल्क का दंश महसूस हो रहा है क्योंकि इससे झींगे की कीमतों में 10-15 फीसदी की गिरावट दिख सकती है। उन्हें लगता है कि ट्रंप शुल्क उनकी पूरी कमाई को ही खत्म कर देगा। यह केवल एक किसान की ही कहानी नहीं है। आंध्र प्रदेश में 1.4 लाख से अधिक किसान और करीब 20 लाख लोग प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर जलीय कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।

राज्य में यह क्षेत्र करीब 2.12 लाख हेक्टेयर में फैला हुआ है जहां मछली के साथ-साथ झींगे का भी पालन किया जाता है। हालांकि अमेरिका को केवल 50 से कम काउंट की सीमा में सिर्फ श्रिम्प किस्म का ही निर्यात किया जाता है, लेकिन 100, 90, 80, 70 और 60 काउंट वाली अन्य किस्मों की कीमतों में भी भारी गिरावट देखी गई है। इन किस्मों को मुख्य तौर पर चीन, यूरोप, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान एवं अन्य एशियाई बाजारों में भेजा जाता है।

सोने का आयात मार्च, 2025 में 4.47 अरब डॉलर

» फरवरी, 2025 में 62 फीसदी की गिरावट देखी गई

» जनवरी में 40 और दिसंबर, 2024 में 55 फीसदी बढ़ा

वैश्विक अनिश्चितता से सोने का आयात 192 फीसदी बढ़ा

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

टैरिफ वार के कारण दुनियाभर में उपजी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश का सोना आयात मार्च, 2025 में 192.13 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के साथ 4.47 अरब डॉलर पहुंच गया। चालू खाता घाटे पर असर डालने वाले सोना के आयात में फरवरी, 2025 में करीब 62 फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि जनवरी में इसमें 40.8 फीसदी और दिसंबर, 2024 में 55.39 फीसदी का उछाल देखने को मिला था। हालांकि, मार्च में चांदी का आयात 85.4 फीसदी घटकर 11.93 करोड़ डॉलर रह गया। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष 2024-25 में सोने का आयात 27.27 फीसदी बढ़कर 58 अरब डॉलर पहुंच गया, जो 2023-24 में 45.54 अरब डॉलर रहा था। देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी 8 फीसदी है। बीते वित्त वर्ष में चांदी का आयात 11.24 फीसदी घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया। कीमतों में लगातार उछाल के बावजूद बहुमूल्य धातु के आयात में वृद्धि से संकेत मिलता है कि निवेशकों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, क्योंकि यह निवेश का एक सुरक्षित साधन है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और कई देशों में तनाव के बीच सोने की ओर एसेट डायवर्सिफिकेशन, केंद्रीय बैंकों के बीच बढ़ती मांग और कीमतों में उछाल भी आयात वृद्धि के कारक हो सकते हैं।

ब्लूस्मार्ट के बंद होने से उबर को हो सकता है बड़ा फायदा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले कुछ सालों में भारत में इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवाओं की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में ब्लूस्मार्ट नामक कंपनी ने एक अग्रणी स्थान बनाया था, लेकिन हाल ही में इस कंपनी ने अचानक अपनी सेवाएं बंद कर दी है। इस निराशाजनक दृश्य के परिणामस्वरूप, उबर को अब अधिक ग्राहकों के प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल सकता है। बाजार में चर्चाओं की न्यूनतम कीमत की अनुस्मारक, उबर ने एक उच्च स्थान बनाया है और यह अब ब्लूस्मार्ट की जगह लेने के लिए तैयार है। ग्राहकों की सुझावों की ओर से भी यह स्पष्ट है कि उबर उनका पसंदीदा विकल्प है, और उसके जरिए ही वे आगे की यात्रा करना चाहते हैं। गुरुग्राम के एक ब्लूस्मार्ट उपयोगकर्ता ने उबर की महत्वपूर्णता को स्वीकार किया है, और उसने अपने उपयोग की तारीफ की है। इसके साथ ही, एक अन्य सदस्य ने भी उबर को चुनने का कारण बताते हुए कहा कि उबर की सुविधाएं और सुरक्षा की व्यवस्था अन्य कंपनियों के मुकाबले बेहतर हैं। इस तरह ब्लूस्मार्ट की बंद होने से उबर को बड़ा मौका प्राप्त हो सकता है और वह अपने दबदबे को बढ़ाने में सफल हो सकता है।

इंदौर बाजार भाव

इन्दौर (ईएमएस)। उठाव की सुस्तता से शनिवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहन बाजार बने रहे। दलहनों में चना मजबूत नज़र आया। मसूर में सुर्खी आयी। किराना जिंसों में सौंफ व जीरे में लेवाली रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्तता के चलते भावों में नरमी देखी गयी। सोया तेल रिफाइंड मालों में 1260-1265 रू. प्रति 10 किलो पर कमजोर रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में घटे भावों पर मोंग से चना चमका। मसूर में भी बाजार मजबूत नज़र आये। उधर, किराना जिंसों में सौंफ व जीरे में बाजार सुधार के रहे। भाव इस प्रकार रहे

किराना

शक्कर 4170-4210, खोपरा गोला 190-235, खोपरा बूरा 3800-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 175-215, सांगली 260-280, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 100-140, बेस्ट 280-300, एस्ट्रा बेस्ट 310-350, सौंफ बार?िक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, गरबल 715-720, मटरदाना 770-795, खसखस अनक्लीन 825-875, क्लीन 1050-1225, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 750-780, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1775, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-1950, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 910-915, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 3040-3100, (200) 3400-3450, (250) 3400-3450

खली

कपास्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2225, देवास-उज्जैन 2225, खंडवा-बुरहानपुर 2200, अकोला 3050 (प्रतिक्विंटल) रात की धारणाः-गुजरात तुज 1300, मुम्बई पाम 1295, मुम्बई सोया 1290,

तेल

सींगदाना 1340-1360, मुम्बई 1370, राजकोट तेलिया 2170, सोया साल्वेंट 1200-1205, सोया रिफाइंड 1260-1265, कपास्या 1255, धूलिया 1260, कड़ी 1265,

दलहन चना कांटेवाला बेस्ट 6150-6200, एवरेज 5100-5200, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी (नया) 7600-7700, पाला 7700-7800, चमकी 7800-7900, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

अनाज गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि सप्तमी, रविवासरे, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्रे, सिद्ध योगे, वलकरणे, दोपहर के बाद मकर की चंद्रमा, सूती स्नान, वृक्षारोपण, धान्य छेदन रवियोग 4/12 तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

मेष मनोबल उत्साह वर्धक रहे, कार्य गति में सुधार, शुभ समाचार अवश्य मिलेगा।

तुला योजनाएं फलीभूत ही सर्तकता से कार्य निपटा लेंवे, कार्य अवश्य ही होंगे।

वृष कुछ बाधायें कष्टप्रद रखे, स्त्री शरीर कष्ट, कुछ बाधायें कारोबार पर असर डालेगी।

वृश्चिक कार्यगति उत्तम, चिन्ताएं कम हो, प्रभुत्व एवं प्रतिष्ठा अवश्य ही बढ़े गी।

मिथुन कार्यकुशलता से संतोष, परिश्रम सफल होंगे तथा स्त्री वर्ग से सुख होगा।

धनु आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यगति उत्तम भावनाएं संवेदन शील अवश्य बनेगी।

कर्क कुटुम्ब की समस्यायें सुलझे तथा सुख शांति से व्यतीत होगा।

मकर अधिकारी वर्ग के तनाव से क्लेश व अशांति रुके कार्य बन जायेंगे।

सिंह परिश्रम से समय पर कार्य पूर्ण होंगे तथा व्यावसायिक क्षमता बढ़े गी।

कुंभ मनोबल बनायें रखे, किन्तु हाथ में कुछ न लगे तथा कार्य अवश्य ही होंगे।

कन्या स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास आशानुकूल सफलता से हर्ष, बिगड़े कार्य बन जायेंगे।

मीन दैनिक कार्य गति उत्तम, कुटुम्ब में सुख, समय उत्तम बीतेगा, ध्यान रखें।

सूडोकु नवताल- 7127

मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7126 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

दैनिक पंचांग

20 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

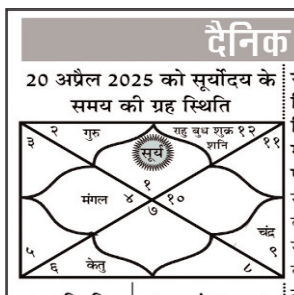

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.16 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.00 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	08.58 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.12 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.28 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.40 बजे से
शनि	मीन में	तुला	17.51 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.05 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.21 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	मकर	00.26 बजे से
		कुंभ	02.13 बजे से
		मीन	03.46 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 110 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 19.01 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 11.49 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 00.13 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 06.47 बजे तदनन्तर बव 19.01 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 11° 32' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872320 **जूलियन दिन** 2460785.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8342

बाएँ से दाएँ

1. वटवृक्ष, बट-4
4. मितव्यय,बचत-4
6. .....-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8. भाड़ा-3
9. मृत्यु होना-3
11. खुशी, सहमत-2
13. अक्लमंद, समझ वाला-5
15. बलिदान, उत्सर्ग-2
16. जबान, जीभ, जिह्वा-3
18. गिरोह, मंडली, समूह-3
19. अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20. फूलना-फलना-4
22. अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1. कलंकित, निंदित, लांछित-3
2. दुख, शोक, अफसोस-2
3. खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4. मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5. संस्कृति, सभ्यता-4
7. स्पर्श, छूना-3
10. ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12. वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14. परंपरा, नियम, चाल -3
17. ख्याति, जाना-पहचाना-3
18. माला आदि फैरना-3
21. जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8341 का हल

र	म	णी	य		ब	र	स	
वा	म		की		ह		म	त
य		अ	न	ब	न			म
त	म	स		री		स	र	स
		वा	ज		पा	रे		
स	ली	ब		मी		ब	ज	ह
ली			म	न	ह	र		रा
का	म		न		र		श	र
	द	म	न		म	हा	ब	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पाटीदार ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

बेंगलुरू (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में मिली हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया है। पाटीदार ने कहा कि टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा पर बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये।

सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लें बाबर आजम : जहीर अब्बास

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जहीर अब्बास ने कहा है कि खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज बाबर आजम को सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लेनी चाहिये। अब्बास ने कहा कि इससे बाबर को पता चलेगा कि वह कहां गलती कर रहे हैं। उसमें सुधार कर वह पहले की तरह बेहतर बल्लेबाजी कर पायेंगे।

आरसीबी पर जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी पंजाब किंग्स

दोपहर 3.30 बजे से होगा मैच

मुल्लांपुर (ईएमएस)।

पंजाब किंग्स की टीम रविवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान में जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब की टीम अभी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है ओर ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीत हासिल कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा। पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इससे पहले शुक्रवार को हुए मैच में उसने आरसीब के खिलाफ पांच विकेट से जीत दर्ज की थी। आरसीबी के बल्लेबाज उसके गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये थे। केवल टिम डेविड और रजत पाटीदार ही दो अंकों में पहुंचे थे। आरसीबी के पास फिल साल्ट, विराट कोहली, कप्तान रजत पाटीदार और लियाम लिविंगस्टोन जैसे शीर्ष बल्लेबाज हैं जिनको अब इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आरसीबी अभी अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और अगर उसे शीर्ष चार में जगह बनाए रखनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना प्रदर्शन में बेहतर बनाना होगा।

आरसीबी इस मैच में बेहतर शुरुआत प्रदान करने के लिए साल्ट और कोहली से उम्मीद करेगी और मध्य क्रम में स्थिरता प्रदान करने की जिम्मेदारी पाटीदार, लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या और डेविड पर रहेगी। गेंदबाजी की कमान जोश हेज़लवुड और भुवनेश्वर कुमार आक्रमण करेंगे। दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है। उसने सात में से पांच मैच में जीत हासिल की है और वह अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स के बाद दूसरे स्थान पर है। पंजाब के गेंदबाजों ने अभी तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट और मार्को यानसन तेज सफल रहे हैं। स्पिनर के तौर पर युजवेंद्र चहल ने बीच के ओवरों में विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह, मोहित राठी।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, सूर्यांश शेडगे, प्रवीण दुबे, विजयकुमार विशक, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, विष्णु विनोद, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन। हरनूर सिंह, मुशीर खान, प्याला अविनाश।

वैभव मैदान में उतरने ही बनाएंगे रिकार्ड

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स टीम में शामिल 14 साल के वैभव सूर्यवंशी अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस सत्र में अभी तक उन्हें एक भी मैच में खेलने का अवसर नहीं मिला है पर जिस भी मैच में उन्हें अवसर मिलेगा। वह सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने का रिकार्ड अपने नाम कर लेंगे। वैभव ने अब तक नेट्स में जिस प्रकार से जबरदस्त बल्लेबाजी की है। उससे तय है कि वह एक अच्छे बल्लेबाज हैं। वैभव ने जोफ्रा आर्चर के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाकर सबका ध्यान खींचा है। आर्चर की आक्रामक रफ्तार से भी वैभव डरे नहीं। उन्होंने आर्चर के खिलाफ कट, पुल और अन्य कई प्रकार के शॉट लगाए। राजस्थान रॉयल्स हमेशा युवा खिलाड़ियों को अवसर देती है। रियान पराग इसका उदाहरण हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि वैभव सूर्यवंशी को भी अवसर मिल सकता है। वैभव को राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी के दौरान एक करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा था। इसके साथ ही वैभव आईपीएल अनुबंध पाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए थे। वैभव वैभव सूर्यवंशी बिहार के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं. वैभव ने अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू इसी साल जनवरी में मुंबई के खिलाफ किया था।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई का मुकाबला, शाम 7:30 बजे

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल में रविवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। मुम्बई ने पिछले दो मैचों में जी हासिल की है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा। उसने पिछले दो मैचों दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को हराया है। इससे अंक तालिक में वह सातवें स्थान पर है जबकि सीएसके अंतिम स्थान पर है। यहां से सीएसके के लिए वापसी की राह बेहद कठिन लगती है। इस मैच में सीएसके हारी तो उसे प्लेऑफ की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो जाएंगी। वहीं मुम्बई के लिए ऐसा नहीं होंगा। इस सत्र में इस मैदान पर अब तक तीन में से दो मैच मुम्बई ने जीते हैं। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार लगती है। सीएसके के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में नहीं है। सीएसके अनुभवी कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी टीम को कितना प्रेरित कर पाते हैं ये देखना होगा। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी की। वहीं नंबर एक टीम दिल्ली कैपिटल्स पर मिली जीत से मुम्बई का मनोबल काफी बढ़ा है हालांकि सीएसके के स्पिनरों से उसे सावधन रहेना होगा। सीएसके के पास सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर नूर अहमद के अलावा अनुभवी रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन हैं। नूर ने सात मैचों में 12 विकेट लिए है, जिसमें मुंबई के खिलाफ शुरुआती मैच में तीन सफलता शामिल है। मुम्बई की परेशानी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का फार्म में नहीं होना है। रोहित ने अभी तक बड़ा स्कोर नहीं बनाया है पर सनराइजर्स के खिलाफ उन्होंने तेज शुरुआत की थी जिससे लगता है कि वह लय में आ रहे हैं। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन में अभी निरंतरता की कमी है पर रयान रिकेल्टन ने शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है। तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह के होने से मुंबई को लाभ होगा। इसे अलावा उसके पास ट्रेंट बोल्ट भी हैं। दूसरी ओर सीएसके ने चेन्नई ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 5 विकेट की जीत के हासिल की है पर टीम के पास अच्छे बल्लेबाजों की कमी है। इस सत्र में कप्तान बने नियमित रुतुराज गायकवाड़ के चोट के कारण बाहर होने से टीम को नुकसान हआ है। गायकवाड़ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में महेंद्र सिंह एक बार फिर टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं। धोनी अब 43 के हो रहे हैं ऐसे में वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। टीम ने बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस और मुंबई के युवा खिलाड़ी आयुष महात्रे को शामिल किया है अब देखना है ये कितने सफल होते हैं। टीम की तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी, खलील अहमद और , मथीश पथिराना के पास रहेगी।

राहुल ने अपने जन्मदिन पर नवजात बेटी इवारा की तस्वीरें साझा की

मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज के एल राहुल 19 अप्रैल को 33 साल के हो गये। इस अवसर पर राहुल उनकी पत्नी अथिया शेट्टी ने अपनी नवजात बेटी की पहली तस्वीर सार्वजनिक की। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम इवारा रखा है, जिसका मतलब है भगवान का उपहार। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के आते ही प्रशंसकों ने उसे काफी पसंद किया। राहुल और अथिया की बेटी का जन्म पिछले माह 24 मार्च हुआ था।

अब दोनों ने अपने बेटी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें राहुल बेटी को गोद में लिए हुए हैं और अथिया प्यार भरी नजरों से उन्हें देख रही हैं। इस लिखा था- हमारी बेटी, हमारे लिए सबकुछ हैं इवारा। राहुल ने बेटी का पूरा नाम इवारा विपुला राहुल बताया है।इसमें इवारा का अर्थ भगवान का उपहार है, विपुला उनकी परदादी और रक्षक के सम्मान में रखा गया है, और राहुल उनके पिता के नाम से लिया गया है।

इस तस्वीर में इवारा राहुल के कंधे पर लेटी हुई है पर उसका चेहरा छिपा हुआ है। बॉलीवुड सितारों और प्रशंसकों ने इसके कमेंट सेक्शन में प्यार और बधाइयां दीं। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने लाल हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। वहीं एक प्रशंसक ने लिखा- नाम बताने के लिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता। जन्मदिन की बधाई हो केएल।

फ्रेजर को अभी टीम में बनाये रखे कैपिटल्स : बदानी

अहमदाबाद (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमंग बदानी को उम्मीद है कि इस आईपीएल सत्र में अबतक विफल रहे दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। फ्रेजर अब तक इस सत्र में छह मैचों में केवल 55 रन ही बना पाये हैं। वहीं इस बल्लेबाज ने पिछले सत्र के नौ मैचों में 330 रन बनाए थे। दिल्ली टीम अभी छह मैचों में से पांच में मिली जीत के बाद अंक तालिका में नंबर एक पर है। बदानी को उम्मीद है फ्रेजर को टीम का समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि फ्रेजर एक ऐसा खिलाड़ी है जो हमें अच्छी शुरुआत देता है और वह एक मैच विजेता है हालांकि पिछले साल की तुलना में उसका प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि अभी टीम मजबूत स्थिति में है और उसे अवसर दे सकती है। साथ ही कहा अगर एक बार फ्रेजर लय हासिल कर लें तो आगे के मैचों में टीम के लिए अच्छा होगा।

जब धोनी ने गुस्से में बदला होटल : स्मिथ

चेन्नई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने शांत और संयमित व्यवहार के कारण कैप्टन कूल के नाम से लोकप्रिय हैं। धोनी आजकल रितुराज गायकवाड़ के आईपीएल सत्र से बाहर होने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी कर रहे हैं। वहीं सीएसके की ओर से खेलने वाले वेस्टइंडीज के ड्वेन स्मिथ ने कहा है कि वैसे तो धोनी बेहद शांत रहते हैं और उन्होंने अपने करियर में दो बार उन्हें गुस्सा होते हुए भी देखा है। स्मिथ ने कहा, एक बार अश्विन ने एक कैच छो? दिया था जबकि वह बेहद आसान कैच था पर उसके बाद धोनी ने नाराज होकर अश्विन को स्लिप से हटाकर किसी जगह भेज दिया। स्मिथ ने कहा कि ये पहली बार था जब मैंने उन्हें गुस्सा होते हुए देखा। इसके अलावा स्मिथ ने एक होटल में हुई घटना के बारे में बताया और कहा कि एक बार होटल स्टाफ ने खाना अंदर आने से रोक दिया था, जो धोनी के पास जाना था। धोनी इसके बाद गुस्से में दूसरे होटल में चले गये थे। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी कहा है कि उन्होंने कुछ मामलों में धोनी को गुस्सा होते देखा है। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। वहीं भारतीय टीम के कप्तान के तौर पर उन्होंनें विश्वकप के अलावा टी20 विश्वकप कहित सभी आईसीसी टूर्नामेंटों में भारतीय टीम को जीत दिलायी है।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा बोले, पांड्या कभी हार नहीं मानते

मुंबई (ईएमएस)।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह बेहद जुनूनी हैं और कभी हार नहीं मानते। जडेजा ने कहा है कि उन्हें पांड्या की यही खूबी बेहद पसंद है। साथ ही कहा कि वह हर हाल में टीम का नेतृत्व करने तैयार रहते हैं। इस सत्र की शुरुआत से ही टीम का अभियान लगातर हार से कमजोर पड़ा था जो अब पटरी पर आने लगा है। टीम ने इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद पर लगातार दो जीत दर्ज की हैं। । पांड्या ने अब तक छह मैचों में 11 विकेट लिए हैं और वह संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

जडेजा ने कहा, पांड्या आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं, चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो, फील्डिंग हो या फिर मैदान के बाहर। वह हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। उनके बारे में एक बात यह है कि वह कभी हार नहीं मानते। पिछला साल उनके लिए अच्छा नहीं रहा, पर इस साल शुरुआत में अच्छे परिणाम नहीं मिलने के बाद भी वह अपनी शैली पर बने रहे। उन्होंने यह भी लगता है कि मुम्बई का हौंसला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली 12 रन की जीत से बढ़ा है। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से, बदलाव दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आया। उस मैच में मुम्बई हार के करीब पहुंचकर भी जीत गयी और यही पांड्या की स्टाइल है। जडेजा ने कहा, इससे टीम के रवैये में बदलाव आया। इस मैच ने दिखाय कि मुम्बई और हार्दिक किस प्रकार से खेलते हैं। जब हार्दिक पांड्या मैदान में आते हैं, तब चाहे टीम को 10, 12, 15 रन प्रति ओवर की जरूरत होती है, तब भी आपको लगता है कि उनके पास क्रीज पर जीत के बेहतर अवसर है।

एशेज सीरीज के बाद गाबा मैदान पर नहीं होंगे क्रिकेट मुकाबले

ब्रिस्बेन (ईएमएस)।

ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। को 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था।

गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे।

नए स्टेडियम के निर्माण में लगभग 3.8 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत आएगी। इसे क्रिकेट, एएफलएल फुटबॉल और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा।

हार के बाद भी टिम के अलावा इन खिलाड़ियों को मिला है प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

बेंगलुरु (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में टीम की हार के बाद भी अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है। टिम ने इस मैच में अपनी टीम के अन्य बल्लेबाजों के एक के बाद एक आउट होने के दौरान भी एक छोर संभाल रखा और अर्धशतक लगाया। इस बल्लेबाज ने 26 गेंदों पर 5 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाये। इसी कारण आरसीबी टीम 95 रन बनाने में सफल रही। आईपीएल में अब तक टीम सहित 28 जिन्हें की हार के बाद भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया है। इससे पहले साल 2008 में एलबी मोर्कल वहीं 2008 में एस गोस्वामी, 2009 में युवराज सिंह, 2009 में अनिल कुंबले, 2010 में यूसुफ पठान, 2011 में युवराज सिंह, 2011 में राहुल शर्मा, 2012 में डेल स्टेन, 2012 में सुनील नरेन , 2016 में विराट कोहली, 2016 में हाशिम अमला, 2016 में क्रिस मॉरिस , 2016 में एडम जैंपा, 2018 में अंकित, 2020 में शिखर धवन 2021 में संजू सैमसन, 2021 में मयंक अग्रवाल, 2021 में जेसन होल्डर ,2021 में ऋतुराज गायसवाड़ , 2022 में उमरान मलिक, 2022 में जसप्रीत बुमराह , 2023 में शिखर धवन, 2023 में वेंकटेश अय्यर।

आईपीएल से बाहर चल रहे कुछ अनुभवी क्रिकेटर इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलेंगे

मुम्बई (ईएमएस)।

आईपीएल से बाहर चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कुछ खिलाड़ी अगले माह हइंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में भारत ए टीम ओर से खेल सकते हैं। भारत ए टीम को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मई-जून में चार दिवसीय दो मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम को आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस दौरे का पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगा। भारतीय टीम सला 2007 के बाद से ही यहां पहली सीरीज जीतने उतरेगी।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा, 'पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी के सेंट लॉरेंस के स्पिटफायर मैदान में खेला जाएगा। वहीं दूसरा मैच एक सप्ताह बाद छह जून से नॉर्थम्प्टन के काउंटी मैदान में होगा। भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी इस समय आईपीएल टीमों से खेल रहे हैं। जिसके नॉकआउट मैच 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे जिसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। भारतीय चयनकर्ताओं को इंग्लैंड दौरे से पहले भारत 'ए टीम की घोषणा करने के लिए काफी समय मिल गया है और ऐसे में पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे करुण नायर को टीम में जगह मिल सकती है।

करुण ने साल 2024-25 के घरेलू सत्र में काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे और रणजी ट्रॉफी में भी उनके नाम नौ मैचों में 54 के औसत से चार शतक और दो अर्धशतकों के साथ ही 863 रन हैं।

आरसीबी की अपने घरेलू मैदान पर तीसरी हार

बेंगलुरु (ईएमएस)। पंजाब किंग्स ने बारिश से बाधित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही आरसीबी की टीम को अपने ही घरेलू मैदान में तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पंजाब किंग्स को जीत के लिए 14 ओवरों में 96 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 11 गेंद पहले ही प्राप्त कर लिया। इसी के साथ ही पंजाब किंग्स को पांचवे मुकाबले में जीत मिली है जिससे उसकी प्लेऑफ की दावेदारे और पक्की हो गयी है। बारिश के कारण ये मैच 14-14 ओवरों का कर दिया गया था। इस मैच में हालांकि लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की शुरुआत खराब रही। प्रियांश आर्य और इम्पैक्ट सब के तौर पर उतरे प्रभसिमरन सिंह शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। प्रभसिमरन 13 जबकि प्रियांश 16 रन ही बना पाये। इसके बाद श्रेयस अय्यर और जोश इंगलिस भी 7 और 14 रनों पर ही आउट हो गये। . नेहाल वढेरा और शशांक सिंह के बीच 28 रनों की साझेदारी से पंजाब आगे बढ़ी। इसमें नेहल ने ही पूरे रन बनाये और शशांक केवल 1 रन बनाकर उनका साथ देते दिखे।

विराट कोहली ने बताया अनुष्का को अपनी शक्ति

नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि पत्नी अनुष्का शर्मा उनकी शक्ति हैं वह मेरी स्थिति को समझती है। विराट ने कहा कि वह अनुष्का को केवल एक पत्नी के रूप में नहीं, बल्कि भावनात्मक सहारे के रूप में भी देखते हैं। साथ ही कहा कि मानसिक रुप पत्नी के साथ मेरी बहुत सारी बातचीत होती है। अनुष्का और मैं मन की जटिलता के बारे में बात करते है। इसके साथ ही हम नकारात्मकता पर भी बात करते है कि ये कैसे आपको अपनी तरफ खींच सकती है।

पत्नी अनुष्का को लेकर उन्होंने कहा कि वह मेरे लिए शक्ति स्तंभ की तरह है क्योंकि वह स्वयं भी उस जगह पर हैं,जहां उन्हें बहुत सारी नकारात्मकता का सामना करना पड़ा है। इसलिए वह मेरी स्थिति को समझती हैं और मैं उनकी स्थिति को समझता हूं और एक जीवन साथी होना जो ठीक-ठीक समझता है कि आप क्या सोच रहे हैं, महसूस कर रहे हैं और किस हालात से गुजर रहे हैं सबसे महत्व पूर्ण होता है। विराट ने साथ ही कहा था मुझे नहीं पता कि अगर वह मेरी जिंदगी में नहीं होतीं तो मुझे ये स्पष्टता कैसे मिलती।

प्यार और शादी तक का उनका सफर साल 2013 में एक शैम्पू के ऐड के सेट पर शुरू हुआ था। देखते ही दोनों एक दूसरे को दिल दे बैठे और वो एक साधारण दिन खूबसूरत रोमांस में बदल गया। शुरुआती दिनों में उन्होंने अपने रिश्ते को निजी रखा, लेकिन प्रशंसकों के बीच केमिस्ट्री को नजरअंदाज करना मुश्किल था। दिसंबर 2017 में मीडिया से दूर इटली में शादी की। इसके बाद से ही दोनो ही जिंदगी का सुहाना सफर चल रहा है। इसके एक बेटी ओर बेटा है।

विधायक विष्णु खत्री व महापौर श्रीमती मालती राय ने शेड निर्माण कार्य हेतु किया भूमिपूजन

भोपाल(ईएमएस)। विधायक विष्णु खत्री व महापौर श्रीमती मालती राय ने बैरसिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लांबाखेड़ा क्षेत्र में शेड निर्माण कार्य हेतु विधिवत भूमिपूजन एवं शिलापट्टिका का अनावरण किया। इस अवसर पर स्थनीय पार्षद श्रीमती अंजू राजपूत सहित बड़ी संख्या में रहवासीगण उपस्थित थे।

राजनीतिक प्रशासनिक

हेरिटेज वॉक में शामिल हुए डेढ़ सौ से ज्यादा विरासत प्रेमी

भोपाल (ईएमएस)। विश्व धरोहर दिवस पर राजधानी भोपाल में इतिहास प्रेमियों का हुजूम दिखाई दिया। हेरिटेज वॉक पर निकले पर्यटकों का पड़ाव जगदीशपुर (इस्लाम नगर) जाकर ठहरा। यहां प्राचीन महलों का आर्किटेक्ट, इनके निर्माण का इतिहास, धरोहर में समाई संस्कृति और कलां को निहारते इनका दिन बीता। सुबह से लेकर देर दोपहर तक चली इस हेरिटेज वॉक के बाद इनकी जिज्ञासु झोली में कई जानकारियां भरी थीं।

एजेंसियों की कमजोर जांच से बड़े किरदारों पर नहीं आई आंच

दागदार जांच के बाद हो गए बेदाग

भोपाल,ईएमएस।

मप्र सहित देशभर में इनदिनों राजधानी भोपाल के सबसे चर्चित मामलों में शामिल सौरभ शर्मा कांड चर्चा में है। जब यह मामला सामने आया तो संभावना जताई गई कि इसमें बड़े-बड़े रसूखदार नप जाएंगे। लेकिन लोकायुक्त इस मामले में 60 दिन में चालान पेश नहीं कर पाया और सौरभ शर्मा को जमानत मिल गई। इसी तरह अन्य रसूखदार भी तकरीबन बच निकले हैं। इस तरह का यह प्रदेश का पहला मामला नहीं है, बल्कि व्यापमं, हनी ट्रैप, ई-टेंडरिंग जैसे कई चर्चित मामलों में बड़े किरदार साफ बच निकले हैं। दरअसल, जांच एजेंसियों की कमजोर जांच के कारण बड़े किरदारों पर आंच नहीं आ पाई है और दागदार जांच के बाद बेदाग हो गए।

गौरतलब है कि प्रदेश में कई घोटाले देशभर में चर्चा में रहे और उनसे राजनीति में भी भूचाल आया। इससे पूरा भरोसा लग रहा था, भले देर से ही सही पर घोटालों में शामिल अधिकारी, नेता और अन्य किरदार जांच के घेरे में आएंगे। उन्हें सजा मिलेगी। मामले कोर्ट में पहुंचे पर कहीं केस कमजोर होने तो कहीं साक्ष्य के अभाव में टिक नहीं पाए। कुछ तो जांच के घेरे से ही बच गए। व्यापमं फर्जीवाड़ा मामले में कई बड़े नेताओं के नाम आए। कुछ जेल भी गए, पर कोर्ट से वे बरी हो गए। ऐसी ही स्थित बहुचर्चित हनी ट्रैप मामले की है। इसमें भी कई अधिकारियों और नेताओं

के नाम सामने आए थे, पर वे जांच की परिधि में ही नहीं आए। ई-टेंडरिंग के मामलें में ईडी ने कार्रवाई की। कमल नाथ सरकार पर कई सवाल उठे। कई जगह छापे पड़े लेकिन किसी का कुछ नहीं बिगड़ा। व्यापमं में पीएमटी और परिवहन आरक्षक भर्ती सहित कई परीक्षाओं में गड़बड़ी हुई थी। इसमें भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों से जुड़े कई बड़े नेता, मेडिकल कालेज संचालक आदि के नाम आए थे।

सीबीआई जांच भी नहीं आई काम

व्यापमं फर्जीवाड़े में मप्र स्पेशल टास्क फोर्स के बाद मामले जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ले ली। इस पूरे मामले में मुख्य कड़ी में रहे कई किरदार साफ बच गए। पूर्व विधायक एवं याचिकाकर्ता पारस सखलेचा का कहना है कि व्यापमं मामले में सीबीआई ने पक्षपातपूर्ण कार्यवाही की है। सारे बड़े लोगों को एक-एक कर बचाया जा रहा है। हमने सीबीआई को कुछ मूल बिदुओं पर शिकायत की थी, जिस पर जांच नहीं की। इससे रैकेटियर बच रहे हैं। इसमें निजी मेडिकल कालेज संचालक भी शामिल हैं। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका लगाई है, जो लंबित है। 900 पेज की याचिका है, जिसमें मैंने कहा है कि सीबीआई मेरी शिकायतों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है।

इन मामलों में भी बच गए रसूखदार

केवल व्यापमं ही नहीं बल्कि कई मामलों की जांच में रसूखदार बच निकले हैं। हनी ट्रैप मामले में कई अधिकारियों का नाम उछला, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला। पहली बार 17 सितंबर 2019 में सामने आए हनी ट्रैप मामले में चार आइएएस अधिकारियों की सहित कई बड़े लोगों के नाम आए था। जांच के लिए एसआइटी गठित की गई। एडीजी स्तर के छह अधिकारी अलग-अलग समय में इसके प्रमुख रहे। शुरुआत में तो 15 दिन के भीतर ही तीन एसआइटी चीफ बदल दिए गए। अभी तक जांच के नाम पर एसआइटी की भूमिका कोर्ट के सामने मध्यस्थ जैसी ही रही। यही कारण है कि हनी ट्रैप में घिरे कई अधिकारी साफ बच गए। ईडी दिल्ली ने भी मामले में प्रकरण कायम किया, पर कोई प्रगति नहीं दिख रही है। हनी ट्रैप में ब्लैकमेलिंग की शिकायत करने वाले ननि के तत्कालीन इंजीनियर हरभजन का चार माह पहले निधन हो चुका है। वहीं प्रदेश में ई-टेंडर घोटाला वर्ष 2018 में सामने आया था।

पन्ना के हीरा को मिल सकता है जीआई टैग

केंद्र कर रहा एग्जामिनेशन रिपोर्ट तैयार

भोपाल,ईएमएस। मध्य प्रदेश का पन्ना जिला हीरों के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में पन्ना के हीरा को जीआई टैग मिल सकता है। साल के अंत तक जीआई टैग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। जिसके लिए केंद्र एग्जामिनेशन रिपोर्ट तैयार कर रहा है। दरअसल, पन्ना के डायमंड में हल्का हरा रंग दिखता है। जबकि दुनिया के दूसरे हिस्से में मिलने वाले हीरे में या तो रंग नहीं होता या प्रकाश पडने पर बहुत से रंग एक साथ दिखते हैं। साथ ही पन्ना डायमंड में वीक कार्बन लाइन स्पष्ट होती है। इसके सहारे उसमें नक्काशी या डिजाइन बहुत आसान हो जाती है, जो दुनिया के दूसरे हीरों में उपलब्ध नहीं होती। सघनता और खास चमक भी पन्ना के हीरों को खास बनाती है। पन्ना के खजिन अधिकारी की मानें तो केंद्र के अधिकारी प्रेजेंटेशन के आधार पर एग्जामिनेशन रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसमें बिंदुवार जीआई टैग से जुड़ी जानकारी मांगी जाएगी। केंद्र के अधिकारी अगर जवाब से संतुष्ट होंगे तो 6 से 8 महीने प्रक्रिया पूरी कर नोटिफिकेशन हो जाएगा। मार्च में राजधानी में प्रेजेंटेशन के बाद अब केंद्र आगे की प्रक्रिया कर रहा है। जीआई टैग मिलने पर निश्चित ही पन्ना के हीरे को नई पहचान मिलेगी।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर भाजपा की बैठक में वीडी शर्मा ने कहा

हम फैक्ट फाइल लेकर जाएंगे जनता के बीच

भोपाल,ईएमएस। भाजपा प्रदेश कार्यालय में वक्फ संशोधन बिल को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित अनुसूचित जनजाति मोर्चे के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि वक्फ बिल से सभी वर्ग प्रभावित हो रहे थे। वक्फ ने तो संसद को भी अपनी संपति का दावा कर दिया था। कभी भी अपना दावा ठोक देते हैं।

वीडी शर्मा ने कहा कि हम फैक्ट फाइल लेकर जनता के बीच जाएंगे। पन्ना में मदरसा की शिकायत आई। बताया कि कई आनैतिक गतिविधियां चल रही है। मैंने कलेक्टर से भी रिपोर्ट मांगी। ऐसे ही कई गुंडे, समाज के कथित ठेकेदार, अनैतिक लोग कर रहे हैं। हम अधिकृत हैं, तब भी उनके दावे के कारण परेशान होते हैं। वक्फ बोर्ड से आने वाली इनकम का कोई हिसाब-किताब तक नहीं है। संपत्ति के अवैध ठेकेदार इसका दुरुपयोग कर रहे हैं। तुष्टीकरण का काम भी हो रहा है। वक्फ को लेकर जनजागरुकता की जरूरत है।

आदिवासियों की संपत्तियों पर भी वक्फ का कब्जा

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने आदिवासियों की संपत्तियों पर वक्फ के कब्जे का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वक्फ का नाम लेकर कुछ गुंडे और अपराधी आदिवासियों की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने अनुसूचित जनजाति वर्ग की संपत्तियों पर कब्जे की संख्या 08 लाख बताई और इस मामले को लेकर कोर्ट में चल रही कार्रवाई का जिक्र किया। जिसमें उन्होंने कहा कि इस पर ज्यादा बोलना उचित नहीं है।

हर समाज वर्ग में जागरूकता बढ़ाने पर जोर

वीडी शर्मा ने इस ऐतिहासिक कानून के बारे में हर समाज वर्ग में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा यह मुद्दा गंभीर है और इसके सामाजिक और कानूनी पहलुओं पर विचार करने की आवश्यकता है।

ईडी केस में सौरभ शर्मा ने जमानत के लिए दिया आवेदन

भोपाल,ईएमएस। मध्यप्रदेश के पूर्व आरटीओ सौरभ शर्मा ने ईडी मामले जमानत की कोशिश शुरू कर दी है। सौरभ और उसके साथी शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौर ने भोपाल जिला न्यायालय के अपर जिला सत्र न्यायाधीश सचिन घोष की कोर्ट में आवेदन दिया है। इस मामले की सुनवाई 21 अप्रैल को होगी। प्रदेश के बहुचर्चित 52 किलो सोना और 11 करोड़ कैश मामले में ईडी ने केस दर्ज किया था। प्रवर्तन निदेशालय की कोर्ट से सौरभ शर्मा की मां उमा शर्मा, पत्नी दिव्या शर्मा, मौसरे जीजा विनय हांसवानी और साले रोहित तिवारी को जमानत मिल चुकी है।

4 लाख कर्मचारियों को सरकार देगी डबल प्रमोशन, 60 हजार का होगा डिमोशन

भोपाल,ईएमएस। मध्यप्रदेश में 9 साल बाद राज्य सरकार ने एक बार फिर पदोन्नति प्रक्रिया शुरू की है। अभी इसके लिए नियम बनाए जा रहे हैं। इससे मध्य प्रदेश शासन के 4 लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारी लाभान्वित होंगे। हालांकि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन मिले 8 साल से अधिक समय बीत चुका है। ऐसे में वो डबल प्रमोशन के हकदार हैं। इस पर भी सरकार ने विचार किया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश से प्रमोशन के साथ आरक्षित वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों पर डिमोशन का खतरा भी मंडरा रहा है। अब देखना ये है कि सरकार इस मामले का किस प्रकार पटाक्षेप करती है।

मप्र में मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट

नए चेहरों के साथ कुछ पूर्व मंत्रियों को मिल सकती है जगह

भोपाल, ईएमएस। मप्र में इनदिनों मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। भाजपा संगठन के उच्च पदस्थ सूत्र इस बात की तस्दीक कर रहे हैं कि मोहन सरकार में कुछ मंत्रियों को बाहर किया जाएगा, वहीं कुछ नए चेहरे शामिल किए जाएंगे। मोहन मंत्रिमंडल में इस वक्त मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत 31 मंत्री हैं। इस तरह मंत्रिमंडल में मंत्रियों के चार पद रिक्त हैं। संगठन की कोशिश है कि कुछ पुराने और कुछ नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। बस केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिलने का इंतजार है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि प्रदेश सरकार के मंत्रियों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट हर महीने तैयार की जा रही है। सत्ता और संगठन की कोशिश है कि जिन मंत्रियों की रिपोर्ट निरंतर खराब है उनकी जगह मंत्रिमंडल में नए चेहरों को शामिल किया जाए। उधर, मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट की खबर लगते ही दावेदारों ने सक्रियता बढ़ा दी है। सूत्रों का कहना है कि सीएम डॉ. मोहन यादव जब-जब दिल्ली दौरे पर जाते है मप्र में सियासी सरगर्मियां तेज हो जाती हैं।

EMS ACADEMY OF JOURNALISM
(AFFILIATED BY BHARTIYA VIDYA BHAVAN, AHMEDABAD)
Become a Media professional
ADMISSION
OPEN FOR PG-DIPLOMA 2025
One Year Diploma Course
1. Journalism & Mass communication
2. Public Relation
3. Digital Media
4. Marketing & Sales management
APPLY NOW
Contact Us:
9302208608,9229226533
www.emsindia.com, Jabalpur express.com
ems_academy@rediffmail.com
यदि आप बनाना चाहते हैं मीडिया की दुनिया में अपनी पहचान तो जुड़िये मध्यप्रदेश की नंबर 1 मीडिया एकेडमी से
Academy premises: Bhopal Teaching mode: Offline
FACILITIES
• Well equipped media lab & TV Studio
• Writing exercise for print and web
• Guidance by Media Professionals
• Practical Training of conducting Interview, Tv Reporting Writing Article, Field reporting etc.
• Regular Field Visits
• Well Qualified Faculty
• Guaranteed Internship and Placement
ADDRESS : 7, COMMERCIAL CHITTOD COMPLEX ZONE 1 M.P. NAGAR, BHOPAL MADHYA PRADESH

Crompton
Pumps
Crompton Solar Pumps
प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना
के तहत मध्य प्रदेश में पंजीकृत है
अब 90% सब्सिडी पर उपलब्ध
85+ Years
TRUST & LEGACY
एमएनआरई दिशानिर्देशों के अनुसार
Service Partner: CLARO ENERGY PRIVATE LIMITED
For Further Assistance Please Contact :
+91-7974149349 | 9589989692 | 7974295690 | 9826807474
Email: consumer.support@crompton.co.in
Website: www.crompton.co.in

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सनत कुमार जैन के लिए सुपर प्रिन्टर्स, आर-11, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर हॉल नं. 07, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : बलदेवराज गुप्त, एसोसियेट एडीटर : विनीत खरे, स्थानीय संपादक : सौरभ जैन*
फोन-0755-2572334, दिल्ली कार्यालय: ''ईएमएस हाउस'' यू-39-ए, शकरपुर, दिल्ली-110092. फोन नं.011-22022531 फैक्स नं. 011-22022535. ई-मेल: **expressnews.advt@gmail.com** (रजि नं. **RNI** 62831/95, डाक पंजीयन सं. म.प्र./भोपाल/402/2024-26) समाचार चयन के लिए *पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।